



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—खण्ड (3)

PART II—Section 3—Sub-section (3)

राजपत्र में प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

पं. १११
No. 231

नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 1, 2005/आषाढ 10, 1927
NEW DELHI, FRIDAY, JULY 1, 2005/ASHADHA 10, 1927

वित्त मंत्रालय

(सूचना विभाग)

अभियुक्त

नई दिल्ली, 1 जुलाई, 2005

सं.सं.नि. 4/2005 के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार, धन शोधन विभाग अधिनियम, 2002 (2003 का 15) की धारा 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए (सूचना विभाग) 2005 को इस तारीख के रूप में निश्चित करती है जिससे उक्त अधिनियम के सभी उपबन्ध प्रकृत होंगे।

[अभिसूचना सं. 1/2005/आ.सं. 6/2-2005 ई.सं.]
के. पी. भांडारी, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 1st July, 2005

G.S.R. 4/2005 (Pt. II exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Prevention of Money-laundering Act, 2002 (15 of 2003), the Central Government hereby appoints the 1st day of July, 2005, as the date on which all the provisions of the said Act shall come into force.

[Notification No. 1/2005/231 G2/2005-E.S.]
V. P. ARORA, Under Secy

अधिसूचना

नं० दिल्ली, 1 सुबह, 2005

सं.सं.सं. 433(अ).—केन्द्रीय सरकार, धन-शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (2003 का 15) की धारा 8 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के द्वारा या इसके अधीन प्रदत्त अधिकारिता, शक्तियों और प्राधिकार का प्रयोग करने के लिए न्यायनिर्णायक प्राधिकरण नियुक्त करती है। न्यायनिर्णायक प्राधिकरण, एक अध्यक्ष और दो सदस्यों से मिल कर बनेगा और केन्द्रीय सरकार के वित्त मंत्रालय के राज्य विभाग के अंतर्गत कार्य करेगा और इसका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

[अधिसूचना नं० 2205/एन.सं. 6/2/2005-नं० दस।]

जी. पी. अरोड़ा, अवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st July, 2005

G.S.R. 433(A)—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 8 of the Prevention of Money-laundering Act, 2002 (15 of 2003), the Central Government hereby appoints an Adjudicating Authority to exercise jurisdiction, powers and authority conferred by or under the said Act. The Adjudicating Authority shall consist of a Chairperson and two Members and shall function within the Department of Revenue, Ministry of Finance of the Central Government with Headquarters at New Delhi.

[Notification No. 2205/F.No. 6/2005-ES.]

G. P. Arora, Under-Secretary

अधिसूचना

नं० दिल्ली, 1 सुबह, 2005

सं.सं.सं. 433(अ).—केन्द्रीय सरकार, धन-शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (2003 का 15) की धारा 8 की उपधारा (1) के खण्ड (ब) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्दिष्ट करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 8 की उपधारा (1) के अंतर्गत नियुक्त न्यायनिर्णायक प्राधिकरण की नई दिल्ली न्यायपीठ सम्पूर्ण करता है उक्त अधिनियम के अधीन या इसके अंतर्गत प्रदत्त अधिकारिता, शक्तियों और प्राधिकार का प्रयोग करेगी।

[अधिसूचना नं० 2205/एन.सं. 6/2/2005 ई.सं।]

जी. पी. अरोड़ा, अवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st July, 2015

G.S.R. 439(3).—In exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (5) of section 6 of the Prevention of Money-laundering Act, 2002 (15 of 2003), the Central Government hereby specifies that the New Delhi Bench of the Adjudicating Authority appointed under sub-section (1) of section 6 of the said Act shall exercise jurisdiction, powers and authority conferred by or under the said Act over the whole of India.

[Notification No. 1/2015-PN-6/1/2015-E.S.]

V. P. ARORA, Under Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 जुलाई, 2015

ख.स.सं. 439(3).—केंद्रीय सरकार धन-शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (2003 का 15) की धारा 25 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के अर्धेन प्राधिकारित प्राधिकरण और प्राधिकारियों के आदेशों के विरुद्ध अपीलों की सुनवाई करने के लिए नई दिल्ली में अपील अधिकरण स्थापित करती है।

[अधिसूचना सं. 1/2015/प.न. 6/1/2015-ई.स.]

वी. पी. आर.ओ., अवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st July, 2015

G.S.R. 439(3).—In exercise of the powers conferred by section 25 of the Prevention of Money-laundering Act, 2002 (15 of 2003), the Central Government hereby establishes an Appellate Tribunal at New Delhi to hear appeals against the orders of the Adjudicating Authority and the authorities under the said Act.

[Notification No. 1/2015-PN-6/1/2015-E.S.]

V. P. ARORA, Under Secy.

अभिसूचना

नं० 52/सो. 1/दु.सं. 2005

सं.सं.सि. 440(न).—केन्द्रीय सरकार धन-शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (2002 का 15) की धारा 49 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 1 जुलाई 2005 से वित्त मंत्रालय रजन्द विभाग के अधीन निदेशक, फिन्सि आसूचना एकक, भारत को अन्तर्-अभिसूचना की धारा 12 की उप-धारा (1) के समूह (ख) और इसके पन्चक, पार 13, पार 26 की उप-धारा (2) और पार 50 की उप-धारा (1) के अधीन प्रदत्त अन्य शक्तियों का प्रयोग करने के लिए निदेशक के रूप में नियुक्त करती है और उक्त निदेशक, वित्तीय आसूचना एकक, भारत पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 26 की उप-धारा (3) तथा धारा 28 (5), धारा 39, धारा 40, धारा 41, धारा 42, धारा 48, धारा 49 की उप-धारा (2), धारा 66 और धारा 68 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का भी समान ही रूप से प्रयोग करेगा।

[अभिसूचना सं. 52/2005/सो. सं. 6/2005-वै.सं.]

उ. ए. अरोड़ा, Under Secy.

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st July, 2005.

G.S.R. 440(E)—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 49 of the Prevention of Money-laundering Act, 2002 (15 of 2002), the Central Government hereby appoints, with effect from the 1st day of July, 2005, the Director, Financial Intelligence Unit, India, under the Ministry of Finance, Department of Revenue, as the Director to exercise the exclusive powers conferred under clause (b) of sub-section (1) of section 12 and its proviso, section 13, sub-section (2) of section 26 and sub-section (1) of section 50 of the said Act and the said Director, Financial Intelligence Unit, India, shall also concurrently exercise powers conferred by sub-section (3) and sub-section (5) of section 28, section 39, section 40, section 41, section 42, section 48, sub-section (2) of section 49, section 66 and section 68 of the afore-said Act.

[Notification No. 52/2005/S.O. 62-2005-E.S.]

U. P. ARORA, Under Secy.

अभिसूचना

सं. 1/2005-1 जुलाई, 2005

सं. 1/2005-1 (अ).—केन्द्रीय सरकार, धन-औषध निवारण अधिनियम, 2002 (2003 का 15) की धारा 49 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 1. जुलाई, 2005 से विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम, 1999 (1999 का 42) के अधीन उक्त सारेख से लेके पहले निर्देशक, अर्थात् अन्वयन का पद धारण करने वाले अधिकारी को, उक्त अधिनियम की धारा 5 धारा 8, धारा 16, धारा 17, धारा 19, धारा 19, धारा 20, धारा 21, धारा 26 की उप-धारा (1), धारा 45, धारा 50, धारा 57, धारा 60, धारा 62 और धारा 63 के अधीन प्रदत्त अनन्य शक्तियों का प्रयोग करने के लिए निर्देशक के रूप में नियुक्त करती है तथा उक्त निर्देशक पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 28 की उप-धारा (3), उप-धारा (4) और उपधारा (5), धारा 39, धारा 40, धारा 41, धारा 42, धारा 48, धारा 49, धारा 66 और धारा 66 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का भी समतुल्य रूप से प्रयोग करेगा।

[अभिसूचना सं. 1/2005-1, सं. 1/2005-1-अ. सं.]

. श्री. पी. वी. अरोड़ा, अवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st July, 2005

G.O. 1/2005-1 (A).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 49 of the Prevention of Money-laundering Act, 2002 (15 of 2003), the Central Government hereby appoints, with effect from the 1st day of July, 2005, the Director of Enforcement holding office immediately before the said date under the Foreign Exchange Management Act, 1999 (42 of 1999), as the Director to exercise the exclusive powers conferred under section 5, section 8, section 16, section 17, section 19, section 19, section 20, section 21, sub-section (1) of section 26, section 45, section 50, section 57, section 60, section 62 and section 63 of the said Act and the said Director shall also concurrently exercise powers conferred by sub-section (3), sub-section (4) and sub-section (5) of section 28, section 39, section 40, section 41, section 42, section 48, section 49, section 66 and section 66 of the afore-said Act.

[Notification No. 1/2005-1, No. 1/2005-1-A.]

V. P. ARORA, Under Secy.

नियम

नियम, 1 जुलाई, 2006

नियम, 2006 (क)—कॉर्पोरेट शाकाहारी वन क्षेत्र नियंत्रण अधिनियम, 2002 (2002 का 15) की धारा 73 की उपधारा (2) के संक (ख) और (ड) के अधीन प्रकाशित (1) द्वारा प्रकाशित अधिनियम का प्रयोग करने वाले व्यावसायिक अधिकारी को सामग्री के साथ संगति की अनुरोध करने के आदेश की नीति और सर्वजन को प्रकाशित सामग्री के साथ कारणों की प्रति उपरोक्त करने को देने और न्यायनिर्णय अधिकारी द्वारा इसके प्रतिपालन की उन्मुख से न्यायिक निष्पक्षित नियम बनाने के अर्थ में :-

1. संक्षिप्त नाम और शुरुआत—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम जन-शोकात्मक नियम अधिनियम 2006 (क) अधिनियम की शुरुआत के साथ संगति की अनुरोध करने के आदेश की नीति और सर्वजन को प्रकाशित सामग्री के साथ कारणों की प्रति उपरोक्त करने की नीति और इसके प्रतिपालन की उन्मुख (नियम, 2006) है।

(2) के अन्तर्गत में प्रकाशित की नीति से प्रकृत होगी।

2. परिभाषाएं—(1) इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से तथ्य अभिप्रेत न हो:-

- (क) "अधिनियम" से जन-शोकात्मक अधिनियम, 2002 (2002 का 15) अधिनियम का अर्थ है ;
- (ख) "अधिकृत अधिकारी" से ऐसा कोई अधिकारी अभिप्रेत है जो उस उच्च निदेशक की शक्ति से नीचे के न हो जिसे अधिनियम की धारा 3 के अंतर्गत के लिए नियोजक द्वारा अधिकृत किया जाए ;
- (ग) "प्रकाशित" से अधिनियम की धारा 45 में निर्दिष्ट प्रावधानों के अन्तर्गत में प्रकाशित करने के अर्थ में अभिप्रेत है ;
- (घ) "अनुरोधित अधिनियम" से व्यावसायिक अधिकारी द्वारा नियम 2 के अधिनियम (1) के अन्तर्गत में दिए अनुरोध करने के अर्थ में अभिप्रेत है ;
- (ङ) "नियम" से इन नियमों से अन्तर्गत में अभिप्रेत है ;

- (द) अधिनियम की धारा 5 की उपधारा (1) के प्रयोजनों के लिए "रजिस्ट्री" से, स्थिति, निदेशक या प्रमुख अधिकारी के कब्जे में ऐसी कोई सामग्री अभिप्रेत है जिसके आधार पर उसने कारण अधिलिखित किए हैं किनके अंतर्गत निम्नलिखित हैं :
- (i) अनुसूची के भाग क के पैरा 1 और भाग ख के अधीन किसी अध्याय के संघ में दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 173 के अधीन मास्टरस्टॉक को अधिलेखित की गई कोई दिवेंडी ;
- (ii) अनुसूची के भाग क के पैरा 2 के अधीन किसी अध्याय के संघ में स्वयंसेवक श्रेणी और पंच-समिती वर्धक अधिनियम, 1985 (1985 का 61) की धारा 36 की उपधारा (1) के अधीन कोई विशेष पंचालय द्वारा किसी अध्याय का संज्ञान लेने के लिए फाइल की गई कोई पुलिस रिपोर्ट या कोई पत्रिका ;
- (3) अधिनियम की धारा 16 की उपधारा (1) के प्रयोजनों के लिए "रजिस्ट्री" से प्राधिकारों के कब्जे में ऐसी कोई सामग्री अभिलेखित है, जिसके आधार पर उसने कारण अधिलिखित किए हैं ;
- (4) "स्थान" से ऐसा कोई स्थान अभिप्रेत है जहाँ इन अधिनियम के अंतर्गत कानून का कर्म किया जाता है और जिसके अंतर्गत कोई अन्य कानून भी है बाहर उसमें कोई लिखावटनाप दिया जाता है या नहीं, जिसमें ऐन लिखावटनाप पढ़ाने वाला व्यक्ति या कर्मचारी रहता है कि किसी प्राधिकारों को अनुसूचित क्षेत्र में ही सीमाओं के अंतर्गत स्थान माने ऐसे कार्य से संबंधित उसके अधिकारों में ही कार्य अधिलेखित रूप प्राप्त है या कानूनी दायित्व का कोई भाग रखा जाता है या किसी बाह्य अन्य ऐसे प्राधिकारी द्वारा किसी प्राधिकारों को अधिकृत किया गया है, जिस अधिनियम की धारा 15 की उपधारा (1) के संघ (i) व संघ (ii) के अधीन लेख को समन्वयेत्त किया जाता है ;

- (2) "अनुसूची" में अंतर्गत मुद्रकों को प्रत्येक में रुपये 100 की सीमा तक प्रत्येक एक से अधिक में 500 तक अतिरिक्त या किसी भी प्रकार की संख्या में 1000 तक प्रत्येक एक से अधिक में अतिरिक्त और ऐसे अन्य नमूने जो हैं या इन नियमों के प्रवर्धन के लिए उपयुक्त हो सकते हैं।
- (3) "अनुसूची" से अतिरिक्त की अनुसूची अस्तित्व में है ;
- (4) "यान" से अभिप्रेत की बात अनिश्चित है ।

(2) इन अन्य सभी मामलों और नदों को जो इन नियमों में न्युक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं वे न्युक्त या अतिरिक्त से परिभाषित हैं ।

(3) न्यायनिर्णायक अधिकारी को अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (2) के अधीन सम्पत्ति के साथ सतति की अनंतिम मुद्रकों को आदेश नहीं मिले अतिरिक्त करने की शक्ति (1) यथास्थिति, नियमों के मादिकृत अधिकारी आदेश की प्रति और आदेश की एक प्रतियुक्तियों को देना करेगा और ऐसा अनुसूचित प्रत्येक और आदेश को प्रत्येक प्रतियुक्तियों को देना करेगा । वह आदेशों को प्रत्येक की या ऐसी अनुसूचित, अतिरिक्त और सम्पत्ति को अतिरिक्त करने समय 1900 के अधिनियम में एक प्रत को देगा ।

(4) अधिनियम, निदेशक या प्राधिकृत अधिकारी अधिनियम में 100 मुद्रकों करने से पूर्व इन नियमों के संलग्न प्रत्येक में एक प्रत को देना करेगा ।

(5) अधिनियम, निदेशक या प्राधिकृत अधिकारी, मुद्रकों को देना अतिरिक्त या संलग्न अतिरिक्त और नदों को अतिरिक्त करेगा ।

(6) मुद्रकों केवल पर "निर्णायक" और "अतिरिक्त" नाम वाले छाप की संख्या 1000 तक प्रत्येक प्रतियुक्तियों को देना करेगा । मुद्रकों अधिनियम में न्यायनिर्णायक अधिकारी को देना करेगा और इन नियमों के अधिनियम III में एक प्रत को देना करेगा ।

(7) यह अधिनियम, निदेशक या प्राधिकृत अधिकारी मुद्रकों अधिनियम को न्याय मुद्रकों अधिनियम में संलग्न और इन नियमों के अधिनियम III में एक प्रत को देना करेगा ।

(ख) मूल विधायक को मुख्यमंत्री के नाम निर्देशित किया जाएगा और न्यायनिर्णायक प्राधिकारी का मत पत्र राष्ट्र मन्त्रालय विभाग पर अतिरिक्त किया जाएगा।

(ग) प्राधिकारी, निर्देशक या प्राधिकृत अधिकारी इस विभाग के प्रमोशन के लिए शक्तिशाली और अन्य अनिश्चित छोटे मामलों में रजिस्टर, एक रजिस्टर रखेगा और एक सुनिश्चित करेगा कि न्यायनिर्णायक अधिकारी को आदेश की दृष्टि से और सामग्री अर्पित किए जाने के पुराने नरचाए, पश्चात् रजिस्टर में आवश्यक प्रावधानों को भी पत्र है।

4. न्यायनिर्णायक प्राधिकारी को अधिनियम की धारा 18 की धारा (2) के अन्तर्गत सर्वोच्च की उच्चतम सामग्री के साथ कार्यवाही की गति अर्पित करने की शक्ति, (1) अधिकारी, सर्वोच्च की

सर्वोच्च धारा की प्रति और सामग्री की एक अनुसूची का संरक्षक करना और ऐसी अनुसूचीयिका, मामलों और ऐसी सामग्री के अनेक पृष्ठ पर हस्ताक्षर करेगा और न्याय निष्पायक अधिकारी को ऐसी अनुसूचीयिका, मामलों और सामग्री का अर्पित करने सन्ध मुद्राबंध लिफाफे में एक पत्र भी लिखेगा।

(2) प्राधिकारी, लिफाफे में पत्रे मुख्यमंत्री को से पूर्व दान लेखनी से संलग्न नरचा-11 में एक मामलों की पत्रे रखेगा।

(3) अधिकारी, मुद्राबंध लिफाफे पर अनेकपत्र संदर्भ संख्याएं और तारीख अर्पित करेगा।

(4) मुख्यमंत्री विभाग पर "गोपनीय" और "फोनल नरचा करने वाले और प्रेस को भी" अतिरिक्त किया जाएगा। मुख्यमंत्री विभाग पर न्यायनिर्णायक अधिकारी का एकादेश नाम सहित दृष्टि पत्र अतिरिक्त किया जाएगा।

(5) प्राधिकारी, मुद्राबंध लिफाफे को राष्ट्र मन्त्रालय लिफाफे में रखेगा और इन नरचों के अलग नरचा-111 में एक मामलों की रखेगा।

(6) राष्ट्र मन्त्रालय को मुद्राबंध लिफाफे दिया जाएगा और न्यायनिर्णायक अधिकारी का मत पत्र राष्ट्र मन्त्रालय विभाग पर अतिरिक्त किया जाएगा।

६. न्यायनिर्णायक प्राधिकारी द्वारा संपत्ति की अनधिकृत कुचकी के आवेदों की प्रति और सामग्री तथा सूचिका की मागत हस्तियों की प्रति और सामग्री प्रतिलिखित करने की शक्ति,-

न्यायनिर्णायक प्राधिकारी संपत्ति की अनधिकृत कुचकी के आवेदों की प्रति और सामग्री तथा सूचिका की प्रति तथा सामग्री को इस बंध की शक्ति के लिए या, यदि घरा बंध की शक्ति शक्ति के अन्तर्गत है,-

(i) अधिनियम की धारा 11 के अन्तर्गत कोई कार्यवाहियां आरंभ हो गई हैं तो ऐसी कार्यवाहियों को निपटारे होने तक ; या

(ii) उक्त अधिनियम की धारा 25 के अन्तर्गत अपील शिकायत को अपील की गई है वहां अपील शिकायत द्वारा ऐसी अपील का निपटारा किए जाने तक ; या

(iii) उक्त अधिनियम की धारा 42 के अन्तर्गत उच्च न्यायालय में ऐसी कोई अपील की गई है उक्त उच्च न्यायालय द्वारा ऐसी अपील का निपटारा किए जाने तक ;

जो भी परवानपरत है, प्रविष्टारित करेगा ।

७. निर्वचन.- यदि इन नियमों के निर्वचन से संबंधित कोई प्रश्न उत्पन्न है तो वह नियम केन्द्रीय सरकार के निर्दिष्ट किया जाएगा और केन्द्रीय सरकार का विनिश्चय अंतिम होगा ।

प्रस्ताव ।

[नियम 3 का उपनियम (2) देखें]

प्राचीन पत्र

कृम संख्यांक.....

निदेशक (प्राधिकृत अधिकारी) से की को को
[तारीख] [स्थान]

..... पृष्ठों से युक्त सामग्री के साथ अ-तैल नक्की अर्द्ध
संज्ञांक..... तारीख..... की एक प्रति मांग की ।

[नायनिर्वाहक प्राधिकारी के हस्ताक्षर]

तारिख :

.....
[नायनिर्वाहक प्राधिकारी का नाम]

[स्थान का नाम]

.....

[निदेशक या अधिकृत अधिकारी]

ना-.....

.....

.....

पत्रक- II

[नियम 4 का उपनियम (2) देखें]

मातृगी पत्र

हम संस्थाएं.....

..... से को बाप

[अधिकारी का पता दिनांक मंगल बुध]

[श्रेणी]

[नाम]

कार्यों और सारणी से पुस्तक पृष्ठों के ५०० वन संख्यांक
सापेक्ष की प्रति प्राप्त की।

[न्यायनिर्णायक प्राधिकारी के उल्लेख]

तारीख :

.....

[न्यायनिर्णायक प्राधिकारी]

[कार्यालय की मुहर]

.....

[संकेत]

पद.....

.....

.....

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st July 2005

G.O. 4035—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with clause (b) and clause (f) of sub-section (2) of section 73 of the Prevention of Money-laundering Act, 2002 (15 of 2003), the Central Government hereby makes the following rules relating to the manner of forwarding a copy of the order of provisional attachment of property along with the material, and the copy of the reasons along with the material in respect of survey, to the Adjudicating Authority and its period of retention by the Adjudicating Authority, namely:-

1. **Short title and commencement.**— (1) These rules may be called the Prevention of Money-laundering (the Manner of forwarding a copy of the Order of Provisional Attachment of Property along with the Material, and copy of the Reasons along with the Material in respect of Survey, to the Adjudicating Authority and its period of Retention) Rules, 2005.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. **Definitions.**— (1) In these rules, unless the context otherwise requires,—
 - (a) "Act" means the Prevention of Money-laundering Act, 2002 (15 of 2003);
 - (b) "authorised officer" means any officer not below the rank of Deputy Director authorised by the Director for the purposes of section 5 of the Act;
 - (c) "authority" means an authority notified from among the classes of authorities specified in section 48 of the Act;
 - (d) "designated officer" means an officer designated by the Adjudicating Authority for the purpose of sub-rule (1) of rule 4;
 - (e) "Form" means forms appended to these rules;
 - (f) "material" for the purposes of sub-section (1) of section 5 of the Act means any material in possession of the Director or the authorised officer, as the case may be, on the basis of which he has recorded reasons including—
 - (i) a report forwarded to a Magistrate under section 173 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974) in relation to an offence under paragraph 1 of Part A and Part B of the Schedule; or
 - (ii) a police report or a complaint filed for taking cognizance of an offence, by the Special Court constituted under sub-section (1) of section 26 of the

Narcotic Drugs and Psychotropic Substance Act, 1986
(§1 of 1986) in relation to an offence under paragraph
2 of Part A of the Schedule;

- (g) "material" for the purposes of sub-section (1) of section 1B of the Act means any material in possession of the authority on the basis of which it has recorded reasons;
- (h) "place" means a place where an act constituting the commission of the offence of money-laundering is carried on and includes any other place, whether any activity is carried on therein or not, in which the person carrying on such activity states that any of his records or any part of his property relating to such act are or is kept, falling within the limits of the area assigned to an authority or in respect of which an authority has been authorised by such other authority who is assigned the area under clause (i) or clause (ii) of sub-section (1) of section 16 of the Act respectively;
- (i) "records" include the records maintained in the form of books or stored in a computer or tapes or discs or in any other electronic form or transcribed information of any type whether expressed in ordinary or machine language and such other documents as may be useful for the purposes of these rules;
- (j) "Schedule" means the Schedule to the Act;
- (k) "section" means a section of the Act.
- (2) All other words and expressions used and not defined in these rules but defined in the Act shall have the meaning respectively assigned to them in the Act.
3. Manner of forwarding a copy of the order of provisional attachment of property along with the material under sub-section (2) of section 5 of the Act, to the Adjudicating Authority. — (1) The Director or the authorised officer, as the case may be, shall prepare an index of a copy of the order, and the material and sign each page of such index order and the material, and shall also write a letter while forwarding such index order and the material to the Adjudicating Authority in a sealed envelope
- (2) The Director or the authorised officer, as the case may be, shall place an acknowledgement slip in Form-I appended to these rules inside the envelope before sealing it.
- (3) The Director or the authorised officer, as the case may be, shall indicate a reference number and date of despatch on the sealed envelope.
- (4) The sealed envelope shall be marked "Confidential" and "to be opened by the addressee only" the complete address of the Adjudicating Authority including his name, shall be mentioned on the sealed envelope with official seal.

- (5) The Director or the authorized officer, as the case may be, shall place the sealed envelope inside an outer envelope, along with an acknowledgement slip in Form-III appended to these rules.
- (6) The outer envelope shall be sealed and the complete address of the Adjudicating Authority shall be mentioned on the sealed outer envelope.
- (7) The Director or the authorized officer, as the case may be, shall maintain registers and other records such as acknowledgement slip register, date register for the purposes of this rule and shall ensure that necessary entries are made in the register immediately as soon as a copy of the order along with the material are forwarded to the Adjudicating Authority.

4. **Manner of forwarding a copy of the reasons along with the material in respect of survey under sub-section (2) of section 16 of the Act, to the Adjudicating Authority.** - (1) The authority shall prepare an index of a copy of the reasons and the material in respect of survey and sign each page of such index, reasons and the material and shall also write a letter while forwarding such index, reasons and the material to the Adjudicating Authority in a sealed envelope.

- (2) The authority shall place an acknowledgement slip in Form-II appended to these rules inside the envelope before sealing it.
- (3) The authority shall inscribe a reference number and date of despatch on the sealed envelope.
- (4) The sealed envelope shall be marked "Confidential and to be opened by the addressee only" the complete address of the Adjudicating Authority including his name shall be mentioned on the sealed envelope with official seal.
- (5) The authority shall place the sealed envelope inside an outer envelope along with an acknowledgement slip in Form-III appended to these rules.
- (6) The outer envelope shall be sealed and the complete address of the Adjudicating Authority shall be mentioned on the sealed outer envelope.
- (7) The authority shall maintain registers and other records such as acknowledgement slip register, date register for the purposes of this rule and shall ensure that necessary entries are made in the register immediately as soon as a copy of the reasons along with the material in respect of survey are forwarded to the Adjudicating Authority.

B. **Acknowledgement of receipt of a copy of the order of provisional attachment of property and the material and a copy of the reasons and the material in respect of survey by the Adjudicating Authority.**-

- (1) On receipt of the outer sealed envelope along with Form-II, the Adjudicating Authority or in his absence, his designee shall sign the

office of Adjudicating Authority, shall forward Form-I duly filled in, signed and his name legibly written below his signature. The seal of the office of the Adjudicating Authority shall be affixed before forwarding Form-I to the Director or the authorized officer of the authority, as the case may be, as a token of receipt of the sealed envelope.

- (2) The Adjudicating Authority shall, on opening of the sealed envelope forward Form-I duly filled in, signed and his name legibly written below his signature. The seal of the office of the Adjudicating Authority shall be affixed before forwarding of Form-I to the Director or the authorized officer of the authority, as the case may be, as a token of receipt of the copy of the order of provisional attachment of property along with the material and a copy of the reasons along with the material in respect of survey.

- (3) Adjudicating Authority shall maintain registers and other records such as acknowledgement slip register, date register and register showing details of receipt of a copy of the order of the Director or the authorized officer of the authority, as the case may be, along with the material for the purposes of this rule and shall ensure that necessary entries are made in the registers immediately on receipt of such order and the material and reasons and the material in respect of survey.

8. Period of retention of a copy of the order of provisional attachment of property and the material and a copy of the reasons and the material in respect of survey by the Adjudicating Authority. — The Adjudicating Authority shall retain a copy of the order of provisional attachment of property and the material and a copy of the reasons and the material for a period of ten years, or, if before the expiry of the said period of ten years, —

- (i) any proceedings under section 8 of the Act have been commenced, until the disposal of such proceedings; or
- (ii) where an appeal has been preferred to the Appellate Tribunal under section 2E of the Act, until the disposal of such appeal by the Appellate Tribunal; or
- (iii) where an appeal has been filed in the High Court under section 47 of the Act, until the disposal of such appeal by the High Court.

whichever is later.

7. Interpretation. — If any question arises relating to the interpretation of these rules, the matter shall be referred to the Central Government and the decision of the Central Government shall be final.

FORM 4

[See sub-rule (2) of rule 3]

ACKNOWLEDGEMENT SLIP

Serial Number

Received a copy of the provisional Attachment Order bearing number dated along with the material containing pages from the Director/the authorized officer on at [date]

[Time]

[Signature of the Adjudicating Authority]

Date :

[Name of the Adjudicating Authority]

[Office seal]

To

[Director or the authorized officer]

Address _____

FORM 41

[See sub-rule (2) of rule 4]

ACKNOWLEDGEMENT SLIP

Serial Number

Received a copy of Inter. No. dated
along with the reasons and the material containing pages from the
. of at
[designation of the authority from whom received] [date] [time]

[Signature of the Adjudicating Authority]

Date :

[Name of the Adjudicating Authority]

[Office seal]

To

[Authority]

Address: _____

FORM-II

[Sec sub-rule (5) of rule 3 and sub-rule (5) of rule 4]

ACKNOWLEDGEMENT SLIP

Serial Number

Received a sealed envelope bearing No.
dated..... from

(Character of the authorized officer or the authority from whom received as the case may be)

on at.....
[date] [time]

Signature of the Adjudicating
Authority/designated officer
of the office of Adjudicating
Authority

.....
Name of the Adjudicating
Authority/designated officer
of the office of Adjudicating
Authority.

[Office seal]

To

[Director of the authorized officer
or the authority as the case may be,
Address :

.....
.....

[Notification No. 72903/11 No. 47/2004-E 8.]

RAKESH SINGH A. Sanyal

संक्षिप्तता

नई दिल्ली, १ जुलाई, 2025

आ.आ.अ. 443(अ).—केंद्रीय सरकार, धन-संग्रहण विभाग अधिनियम, 2002(2003 का 18)

की प्रास 73 की उपधारा (2) के खंड (घ) के साथ एतिष्ठ उपधारा (1) डात प्रदा: शक्तिशो का प्रयोग करते हुए, संक्षिप्तता संपत्तियों की प्राप्ति और प्रबंधन के लिए निम्न-लिखित निदेश बनाती है.

अर्थात् :-

1. संक्षिप्तता नाम शीघ्र प्राप्ति, - (1) इन विधियों का संक्षिप्तता नाम धन-संग्रहण विभाग (अधिकृत

संपत्तियों की प्राप्ति और प्रबंधन) विधाय, 2005 है।

4. **अधिकृत संपत्ति का अर्थव्यवहार.-** (1) यदि अधिकृत संपत्ति ऐसी प्रकृति की है कि कुर्बानों के स्थान से संचालित होना आवश्यक है या उसके हटाने में उस संपत्ति के मूल्य के अनुपात में अधिक व्यय अंतर्निहित है तथा प्रशासक कुर्बानों के स्थान पर इन संपत्तियों के उचित अनुसूचण और अभिरक्षा के लिए व्यवस्था करेगा।
- (2) यदि अधिकृत संपत्ति नकदी, सरकारी या अन्य प्रतिभूतियों, सोना-चांदी, जहज्जुमान या अन्य मूल्यवान् वस्तुओं के रूप में है तो प्रशासक इनको निकटवर्ती शासकीय संचालने या भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक या सरकारी समनुषंगी बैंक या किसी प्रविष्ट बैंक की किसी शाखा में सुरक्षित अभिरक्षा के लिए जमा करेगा।
- (3) प्रशासक नकदी, शासकीय या अन्य प्रतिभूतियों, सोना-चांदी, जहज्जुमान या अन्य मूल्यवान् वस्तुओं से किसी अन्य संपत्ति को प्राप्त प्रविष्टियों के अभिलेखन के लिए प्रकृत 1 में ब्यौरे अंतर्निहित करने वाला एक अभिलेख रखेगा।
- (4) प्रशासक इस नियम के उपनियम (3) में कांशत संशोधन संशोधनों को जमा करने को उद्देश्य से संशोधित करवाने या बैंक से एक सर्वोच्च अभिलेखन करेगा।
- (5) प्रशासक इस नियम के उपनियम (3) में निर्दिष्ट संपत्तियों (1) में संपत्ति को बाधक प्रविष्टियों के अभिलेखन के लिए प्रकृत 2 में ब्यौरे अंतर्निहित करने वाला एक अभिलेख रखेगा।
5. **प्रशासक की सहायता.-** केन्द्रीय शासक इन नियमों के अन्तर्गत करवली शक्तियों का प्रयोग और कार्यों का पालन करने में प्रशासक की सहायता के लिए सनत समर्थ एवं कुर्बानियों के ऐसे सरदारों और अन्य व्यक्तियों को, जैसा वह ठीक समझे, व्यवस्था कर सकेगी।
6. **निर्देशन.-** यदि इन नियमों के निर्देशन से संबंधित कोई प्रश्न उत्पन्न हो तो वह विद्यमान केन्द्रीय शासक को निर्दिष्ट किया जाएगा और केन्द्रीय सरकार का विवेचन अन्तर्गत होगा।

प्ररूप 1

[नियम 4 का उपनियम (3) देखिए]

अलिखत संपत्ति (जंगम) का प्रबंधन शक्तिरक्ष

1. देश सं.
2. संपत्तियों की प्राप्ति की तारीख
3. संपत्तियों का वर्णन (संख्या, राशि अनुमापित मूल्य)
4. अधिपुत्र का/की नाम और पता/पते
5. जहां संबंधित कुतसित शक्तिरक्षा ले लिए जाा की गई ई एका खजाने या बैंक का नाम और पता
6. खजाने या बैंक में अधिपुत्र शक्तिरक्षा को जमा करने की तारीख और समय
7. खजाने या बैंक से अधिपुत्र शक्तिरक्षा की तारीख सहित रसीद सं.
8. प्रशासक की टिप्पणियां

(प्रशासक के हस्ताक्षर)

प्रशासक का नाम और पदनाम

तारीख :

प्ररूप 2

[नियम 4 का उपनियम(5) देखिए]
अलिखत संपत्ति (स्वाधर) का प्रबंधन शक्तिरक्ष

1. अधिपुत्र
2. संपत्तियों की प्राप्ति की तारीख
3. संपत्तियों का वर्णन

(जुनि एनी ईता में : क्षेत्र, सर्वेक्षण से, श्रेष्ठ से, अपस्थान स्वीर पुनो नत) । यवन की दशा में :

प्रकाश से, अपस्थान और पुनो नत) :

4. अभियुक्त का/के नाम और पता/पते

5. प्रशासन की टिप्पणियाँ

साक्षर :

[अभियुक्त से अपस्थान से 8/2/2008-बी.एस.]

रजिस्ट्रार, मुंबई नगर

समाप्त-दीर्घ

New Delhi the 13 July, 2008

GOVT. ORDER—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with clause (f) of sub-section (2) of section 73 of the Prevention of Money-laundering Act, 2002 (15 of 2002), the Central Government hereby makes the following rules for receipt and management of confiscated properties, namely:—

1. **Short title and commencement.**— (1) These rules may be called the Prevention of Money-laundering (Receipt and Management of Confiscated Properties) Rules, 2008.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. **Definitions.**— (1) In these rules, unless the context otherwise requires,—
 - (a) "Act" means the Prevention of Money-laundering Act, 2002 (15 of 2002);
 - (b) "Adjudicating Authority" means an Adjudicating Authority appointed under sub-section (1) of section 5 of the Act;
 - (c) "Administrator" means an officer appointed by the Central Government under sub-section (1) of section 19 of the Act;
 - (d) "attachment" means prohibition of transfer, conversion, disposition or movement of property by an order issued under Chapter III of the Act;
 - (e) "Form" means forms appended to these rules;
 - (f) "order" means an order made by the Adjudicating Authority under sub-section (8) of section 5 of the Act;

- (g) "section" means a section of the Act.
- (2) All other words and expressions used and not defined in these rules but defined in the Act, shall have the meaning respectively assigned to them in the Act.
3. **Receipt of confiscated property.**— The Administrator shall, at the time of receiving the confiscated properties, ensure proper identification of such property with reference to its particulars mentioned in the order confiscating such property.
4. **Management of confiscated property.**— (1) Where the property confiscated is of such a nature that its removal from the place of attachment is impracticable or its removal involves expenditure out of proportion to the value of the property, the Administrator shall arrange for the proper maintenance and custody of the property at the place of attachment.
- (2) If the property confiscated consists of cash, Government or other securities, bullion, jewellery or other valuables, the Administrator shall cause to deposit them for safe custody in the nearest Government Treasury or a branch of the Reserve Bank of India or State Bank of India or its subsidiaries or of any authorized bank.
- (3) The Administrator shall maintain a register containing the details in Form I for recording entries in respect of movable property such as cash, Government or other securities, bullion, jewellery or other valuables.
- (4) The Administrator shall obtain a receipt from the Treasury or the bank, as the case may be, against the deposit of movable properties stated in sub-rule (3) of this rule.
- (5) The Administrator shall maintain a register containing the details in Form II for recording entries in respect of property other than the properties referred to in sub-rule (3) of this rule.
5. **Assistance to the Administrator.**— The Central Government may provide from time to time such members of staff and other persons as it thinks fit to assist the Administrator in exercise of his powers and performance of duties under these rules.
6. **Interpretation.**— If any question arises relating to the interpretation of these rules, the matter shall be referred to the Central Government and the decision of the Central Government shall be final.

FORM I

[Not sub-rule (3) of rule 4]

Management of Confiscated Property (Movable) Register.

1. Order number :
2. Date of receipt of properties
3. Description of properties (quantity, amount, estimated value) .

4. Name(s) and address(es) of the accused :
5. Name and address of the Treasury or bank where the properties are deposited for safe custody :
6. Date and time of deposit of confiscated properties in the Treasury or bank :
7. Receipt number with date of the receipt obtained from the Treasury or bank :
8. Remarks of the Administrator :

(Signature of the Administrator.)

Name and designation of the Administrator.

Date :

FORM II
(See sub-rule (5) of rule 4)

Management of Confiscated Property (Immovable) Register.

1. Order Number :
2. Date of receipt of properties :
3. Description of properties :
(In case of land - area, survey number, plot number, location and complete address. In case of building : house number, location and complete address) :
4. Name(s) and address(es) of the accused :
5. Remarks of the Administrator :

(Signature of the Administrator.)

Name and designation of the Administrator.

Date :

(Publication No. 82005ENa. 02/2014-2.5.)
RAKESH SINGH, J. Secy

- (क) किसी उद्योगालय या संयुक्त रूप से एकीकृत संरचनाओं में स्थित
गए प्रतीत होते हैं ; या
- (ग) बिना किसी आर्थिक संगतता या सम्भवपूर्ण प्रयोजन के प्रतीत होते
हैं ;

(घ) "संयोजक" के अन्तर्गत प्रयास करना, विकसित करना, विधियों का विनिर्देश या प्रारम्भ करते
किसी भी मुद्रा में हो, कोई प्रयत्न या कृत्य हो, संयुक्त अर्थिक या अन्य विधि का
इलेक्ट्रॉनिक या किसी अन्य आधुनिक साधन द्वारा है

(2) ऐसे अन्य सभी शर्तों और फौजों जो इन विधियों में उल्लिखित नहीं हैं, किन्तु
अभिनिन्दन में परिलिखित हैं, उनका सभी स्थान होने जो इनकी अधिनियम में है ।

3. अंतर्गत के अधिलेखों प्रकृति और मुख्य, का अनुसरण -

(1) प्रशासिक, प्रत्येक वैश्वकारी कंपनी या किसी संस्था या मध्यस्थी नियमित अन्तर्गत
स्थाने,

(क) वह नाम अथवा जो किसी विधि में उल्लिखित समस्त से अधिक मुख्य में सभी
नए संयोजक ;

(ख) नए संयोजकों को रूप में प्रकृतियों को एक दूसरे से अलग एक से जुड़े हैं
और विभिन्न मुख्य इस तरह अथवा जो किसी विधि में उल्लिखित
एकदूसरे से अलग अलग गये हैं यह संयोजकों की ऐसी संयुक्त एक नाम
के नीचे की जाती है ;

(ग) ऐसे सभी नए संयोजक जहां प्रकृतियों या प्रकृतियों में जो भी नामों
को अलग की रूप में प्रयोग किया गया है और जहां किसी मुख्य अन्तर्गत
की प्रकृति की गई है ;

(घ) सभी संयोजक संयोजक जहां उन्हें नए अथवा विभिन्न नाम दिए
गये हैं या नहीं और ;

(ङ) किसी भी मामले में या एक में से, जहां जहां किसी भी मुख्य किसी भी नाम से
नए विधि का किया गया है और जहां विभिन्न विभिन्न नाम दिए गया है, एका
और अलग विभाजित नाम ;

(च) प्रत्येक प्रकार के जहां जहां, एका अन्तर्गत, नाम दिए हुए हैं,
एकदूसरे से अलग या इलेक्ट्रॉनिक तरीके जहां जहां अथवा कि किसी
नए विधि या अन्तर्गत और इलेक्ट्रॉनिक तरीके के अथवा, या

(छ) सभी के, या

(ज) प्रशासिक, प्रत्येक वैश्वकारी कंपनी या मध्यस्थी में
एक नाम में से अंतर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत और अन्तर्गत जहां
में है या

(झ) अन्य कोई विधि में जहां जहां जो भी नाम विधि का नाम ;

55) ऐसे किसी लेखा या दफ्तरीय के निषेध के अधिकाधिक अधिकार को सापेक्षिक रूप से निरस्त करने के लिए ऐसी अन्य सूचनाएँ जो बैंककारी संस्थाएँ या किरायेदार संस्थाएँ या कर्मचारी द्वारा संश्लेषित की जा सकें।

(7) अधिकाधिकार, जलदो, बैंककारी संस्थाएँ, किरायेदार संस्थाएँ और कर्मचारी, प्राइवेट प्रदाता वित्त संस्थाओं को सेवा प्रदाता और उसका कारोबार करने। जिसमें इस विभाग से पूर्वगामी अधिनियम की अधिकाधिकारों को सम्मिलित किया जाएगा और इनकी अन्य अधिकाधिकार अधिकाधिकारों को भी सम्मिलित किया जाएगा, किन्तु यह प्राइवेट और किरायेदारों को निरस्त करने के लिए स्वयं को बाध नहीं बनाने के लिए सम्पत्ति सम्पत्ति है। अलग प्रदाता कारोबार की एक प्रति निदेशक को देई जायेगी।

10. प्राइवेट को प्रदाता के अधिकाधिकारों के स्थान -

- (1) अधिकाधिकार, जलदो, बैंककारी संस्थाएँ या किरायेदार संस्थाएँ या कर्मचारी को प्राइवेट को प्रदाता के अधिकाधिकारों को
- (2) प्राइवेट को प्रदाता के अधिकाधिकारों सम्पत्ति सम्पत्ति पर निरस्त करेगा जहाँ कि निरस्त अधिकाधिकारों को निरस्त करेगा और निरस्त अधिकाधिकारों को निरस्त करेगा।
- (3) प्राइवेट को प्रदाता के अधिकाधिकार, प्रदाता और अधिकाधिकार किरायेदार संस्थाएँ या किरायेदार संस्थाएँ या कर्मचारी के अलग अधिकाधिकारों को निरस्त करेगा जहाँ कि निरस्त करेगा और निरस्त करेगा।

11. विवरण -

किन्तु इन नियमों के विवरण को संघ में कोई अन्य अधिकाधिकार है जो प्राइवेट को प्रदाता के अधिकाधिकारों को निरस्त करेगा और निरस्त करेगा और निरस्त करेगा।

[संश्लेषण सं. 2/2005-एन, सं. 10/2004-सं.सं.]

प्रकाशित, संयुक्त अधिकाधिकार

NOTIFICATION

New Delhi, the 12/10/2004

G.S.R. 444(III).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with clause (h), clause (i), clause (j) and clause (k) of sub-section (2) of section 73 of the Prevention of Money-laundering Act, 2002 (15 of 2003), the Central Government in consultation with the Reserve Bank of India, hereby makes the following rules for maintenance of records of the nature and value of transactions, the procedure and manner of maintaining and time for furnishing of information and verification of records of the identity of the clients of the banking companies, financial institutions and intermediaries, namely:-

1. Short title and commencement. — (1) These rules may be called the Prevention of Money-laundering (Maintenance of Records of the Nature and Value of Transactions, the Procedure and Manner of Maintaining and Time for Furnishing Information and Verification of Records of the Identity of the Clients of the Banking Companies, Financial Institutions and Intermediaries) Rules, 2006

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. **Definitions.** — (1) In these rules, unless the context otherwise requires, —
- (a) "Act" means the Prevention of Money-laundering Act, 2002 (15 of 2002);
 - (b) "Client" means a person that engages in a financial transaction or activity with a banking company, or financial institution or intermediary and includes a person on whose behalf the person that engages in the transaction or activity, is acting;
 - (c) "Director" means the Director appointed under sub-section (1) of section 49 of the Act for the purpose of sections 12 and 13 of the Act;
 - (d) "officially valid document" means the passport, the driving licence, the Permanent Account Number (PAN) Card, the Voter's Identity Card issued by the Election Commission of India or any other document as may be required by the banking company, or financial institution or intermediary;
 - (e) "prescribed value" means the value of transaction prescribed under these rules;
 - (f) "Principal Officer" means an officer designated by a banking company, financial institution and intermediary as the case may be;
 - (g) "suspicious transaction" means a transaction whether or not made in cash which, to a person acting in good faith —
 - (i) gives rise to a reasonable ground of suspicion that it may involve the proceeds of crime; or
 - (ii) appears to be made in circumstances of unusual or unexplained complexity; or
 - (iii) appears to have no economic rationale or bonafide purpose;
 - (h) "transaction" includes deposit, withdrawal, exchange or transfer of funds in whatever currency, whether in cash or by cheque, payment order or other instruments or by electronic or other physical means.
- (2) All other words and expressions used and not defined in these rules but defined in the Act shall have the meaning respectively assigned to them in the Act.
3. **Maintenance of records of transactions (nature and value).** —
- (1) Every banking company or financial institution or intermediary, as the case may be, shall maintain a record of —

- (A) all cash transactions of the value of more than rupees ten lakhs or its equivalent in foreign currency,
- (B) all series of cash transactions integrally connected to each other which have been valued below rupees ten lakhs or its equivalent in foreign currency where such series of transactions have taken place within a month,
- (C) all cash transactions where forged or counterfeit currency notes or bank notes have been used as genuine and where any forgery of a valuable security has taken place:
- (D) all suspicious transactions whether or not made in cash and by way of:
- (i) deposits and credits, withdrawals into or from any accounts in whatsoever name they are referred to in any currency maintained by way of:
- (a) cheques including third party cheques, pay orders, demand drafts, cashiers cheques or any other instrument of payment of money including electronic receipts or credits and electronic payments or debits, or
- (b) travellers cheques, or
- (c) transfer from one account within the same banking company, financial institution and intermediary, as the case may be, including from or to Nostro and Vostro accounts, or
- (d) any other mode in whatsoever name it is referred to;
- (ii) credits or debits into or from any non-monetary accounts such as e-mail account, security account in any currency maintained by the banking company, financial institution and intermediary, as the case may be;
- (iii) money transfer or remittances in favour of own clients or non-clients from India or abroad and to third party beneficiaries in India or abroad including transactions on its own account in any currency by any of the following:-
- (a) payment orders, or
- (b) cashiers cheques, or
- (c) demand drafts, or
- (d) telegraphic or wire transfers or electronic remittances or transfers, or
- (e) internet transfers, or

- (f) Automated Clearing House remittances, or
- (g) lock box driven transfers or remittances, or
- (h) remittances for credit or leading to electronic cash, or
- (i) any other mode of money transfer by whatsoever name it is called.
- (ii) loans and advances including credit or loan substitutes, investments and contingent liability by way of:
- (a) subscription to debt instruments such as commercial paper, certificate of deposits, preferential shares, debentures, securitised participation, inter bank participation or any other investments in securities or the like in whatever form and name it is referred to, or
- (b) purchase and negotiation of bills, cheques and other instruments, or
- (c) foreign exchange contracts, currency, interest rate and commodity and any other derivative instrument in whatsoever name it is called or
- (d) letters of credit, standby letters of credit, guarantees, comfort letters, solvency certificates and any other instrument for settlement and/or credit support,
- (iv) collection services in any currency by way of collection of bills, cheques, instruments or any other mode of collection in whatsoever name it is referred to.
4. Records containing information — The records referred to in rule 3 shall contain the following information:-
- (a) the nature of the transactions;
- (b) the amount of the transaction and the currency in which it was denominated;
- (c) the date on which the transaction was conducted; and
- (d) the parties to the transaction.
5. Procedure and manner of maintaining information. — (1) Every banking company, financial institution and intermediary, as the case may be, shall maintain information in respect of transactions with its client referred to in rule 3 in hard and soft copies in accordance with the procedure and manner as may be specified by the Reserve Bank of India or the Securities and Exchange Board of India, as the case may be, from time to time.

- (2) Every banking company, financial institution and intermediary shall evolve an internal mechanism for maintaining such information in such form and at such intervals as may be specified by the Reserve Bank of India, or the Securities and Exchange Board of India, as the case may be, from time to time.
- (3) It shall be the duty of every banking company, financial institution and intermediary, as the case may be, to observe the procedure and the manner of maintaining information as specified by the Reserve Bank of India or the Securities and Exchange Board of India, as the case may be, under sub-rule (2).
6. **Retention of records** - The records referred to in rule 3 shall be maintained for a period of ten years from the date of cessation of the transactions between the client and the banking company, financial institution or intermediary, as the case may be.
7. **Procedure and manner of furnishing information** - (1) Every banking company, financial institution and intermediary, as the case may be, shall communicate the name, designation and address of the Principal Officer to the Director.
- (2) The Principal Officer shall furnish the information referred to in rule 3 to the Director on the basis of information available with the banking company, financial institution and intermediary, as the case may be. A copy of such information shall be retained by the Principal Officer for the purposes of official record.
- (3) Every banking company, financial institution and intermediary may evolve an internal mechanism for furnishing information referred to in rule 3 in such form and at such intervals as may be directed by the Reserve Bank of India or the Securities and Exchange Board of India, as the case may be.
- (4) It shall be the duty of every banking company, financial institution and intermediary to observe the procedure and the manner of furnishing information referred to in rule 3 as specified by the Reserve Bank of India and the Securities and Exchange Board of India under sub-rule (3) as the case may be.
8. **Furnishing of information to the Director** - The Principal Officer of a banking company, the financial institution and intermediary, as the case may be, shall furnish the information in respect of transactions referred to in rule 3 every month to the Director by the 7th day of the succeeding month other than transactions referred to in clauses (C) and (D) of sub-rule (1) of rule 3:

Provided that information in respect of transactions referred to in clauses (C) and (D) of sub-rule (1) of rule 3 shall be promptly

furnished in writing or by way of fax or electronic mail to the Director not later than three working days from the date of occurrence of such transactions.

9. **Verification of the records of the identity of clients.**— (1) Every banking company, financial institution and intermediary, as the case may be, shall, at the time of opening an account or executing any transaction with it, verify and maintain the record of identity and current address or addresses including permanent address or addresses of the client, the nature of business of the client and his financial status:

Provided that where it is not possible to verify the identity of the client at the time of opening an account or executing any transaction, the banking company, financial institution and intermediary, as the case may be, shall verify the identity of the client within a reasonable time after the account has been opened or the transaction has been executed.

- (2) Where the client is an individual, he shall for the purpose of sub-rule (1) submit to the banking company or the financial institution or the intermediary as the case may be, one certified copy of an officially valid document containing details of his permanent address or addresses, current address or addresses, and one copy of his recent photograph and such other documents including in respect of the nature of business and financial status of the client as may be required by the banking company or the financial institution or the intermediary, as the case may be.
- (3) Where the client is a company, it shall for the purpose of sub-rule (1) submit to the banking company or financial institution or intermediary as the case may be, three certified copies of the following documents:
- (i) Certificate of Incorporation;
 - (ii) Memorandum and Articles of Association;
 - (iii) a resolution from the Board of Directors and power of attorney granted to its managers, officers or employees to transact on its behalf; and
 - (iv) an officially valid document in respect of managers, officers or employees holding an attorney to transact on its behalf.
- (4) Where the client is a partnership firm, it shall for the purpose of sub-rule (1) submit to the banking company or the financial institution, or the intermediary three certified copies of the following documents:
- (i) registration certificate;
 - (ii) partnership deed; and

- (4) an officially valid document in respect of the person holding an attorney to transact on its behalf.
- (5) Where the client is a trust, it shall, for the purposes of sub-rule (1) submit to the banking company, or the financial institution, or the intermediary three certified copies of the following documents:
- (i) registration certificate;
 - (ii) trust deed; and
 - (iii) an officially valid document in respect of the person holding an attorney to transact on its behalf.
- (6) Where the client is an unincorporated association or a body of individuals, it shall submit to the banking company, or the financial institution or the intermediary three copies of the following documents:
- (i) resolution of the managing body of such association or body of individuals;
 - (ii) power of attorney granted to him to transact on its behalf;
 - (iii) an officially valid document in respect of the person holding an attorney to transact on its behalf and
 - (iv) such information as may be required by the banking company or the financial institution or the intermediary to collectively establish the legal existence of such an association or body of individuals.
- (7) Every banking company, financial institution and intermediary, as the case may be, shall formulate and implement a client identification programme which shall incorporate the requirements of the foregoing sub-rules of this rule, and such other additional requirements that it considers appropriate to enable it to determine the true identity of its clients. A copy of the client identification programme shall be forwarded to the Director.
10. Maintenance of the records of the identity of clients. - (1) Every banking company or financial institution or intermediary, as the case may be, shall maintain the records of the identity of its clients.
- (2) The records of the identity of clients shall be maintained in hard and soft copies in a manner as may be specified by the Reserve Bank of India from time to time.

- (घ) अधिनियम की धारा 18 की उपधारा (1) के प्रयोग के लिए "अधिकारी" से अधिनियम की धारा 48 में विनिर्दिष्ट जनों के प्राधिकारियों में से कोई प्राधिकारी अभिप्रेत है, जिसे केन्द्रीय सरकार द्वारा साधारण या विशेष आदेश द्वारा प्राधिकृत किया गया है ;
- (च) "अतिरिक्त अधिकारी" से नियम 10 के उपनियम (1) के प्रयोग के लिए न्याय विभागक प्राधिकारों तथा अतिरिक्त अधिकारी अभिप्रेत है ;
- (छ) अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के प्रयोग के लिए "निदेशक" से अधिनियम की धारा 48 की उपधारा (1) की अधीन नियुक्त निदेशक अभिप्रेत है ;
- (ज) अधिनियम की धारा 50 की उपधारा (5) के प्रयोग के लिए "निदेशक" या "अध्यक्ष निदेशक" या "संयुक्त निदेशक" या "उप निदेशक" या "सहायक निदेशक" या अधिनियम की धारा 48 की उपधारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त निदेशक या उप निदेशक या संयुक्त निदेशक या उप निदेशक या सहायक निदेशक अभिप्रेत है ;
- (झ) "प्रत्यक्ष" से इन विनयों से अंतर्गत प्रत्यक्ष अभिप्रेत है ;
- (ञ) अधिनियम की धारा 50 की उपधारा (5) के प्रयोग के लिए "अतिरिक्त प्राधिकारी" से अधिनियम की धारा 48 की उपधारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त निदेशक या उप निदेशक या संयुक्त निदेशक या उप निदेशक या सहायक निदेशक अभिप्रेत है ;
- (ट) अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2) के प्रयोग के लिए "जानकारी" से, अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के अधीन लक्ष्यी और अधिसूचना के प्रस्ताव धियन 2 के उपनियम (2) के खण्ड (ग) में विनिर्दिष्ट प्राधिकारियों के अन्तर्ग में सम्मिलित अभिप्रेत है जिसके अन्तर्गत निम्नलिखित हैं :
- (i) अनुसूची के भाग क और भाग ख के धारा (1) के अधीन किसी अध्याय के संबंध में धारा प्रथम संवित्, 1973 (1974 की 2) की धारा 173 के अधीन पब्लिकेट की अभिप्रेत की गई रिपोर्ट ;
- (ii) अनुसूची के भाग क के धारा 2 के अधीन किसी अध्याय को संबंध में स्वयंसेवक अधि और धारा प्रथम संवित् अधिनियम, 1973 (1974 की 61) की धारा 38 की उपधारा (1) के अधीन गठित विशेष न्यायान द्वारा किसी अध्याय को स्वयंसेवक लेने के लिए फाइल की गई कोई गुप्तित रिपोर्ट या कोई संश्लेष ;

3. तलाशी देने से संबंधित प्रक्रिया - (1) निदेशक अतिरिक्त की धारा 17 की एधारा (1) के प्रमाणों के लिए अपने किसी असोनन्य अधिकारी को प्रतिकूल कर लगाना और ऐसा अधिकार इन निर्णयों से संलग्न प्रत्येक (2) में होगा।

(2) विधि (2) के अधिनियम (1) के अन्तर्ग (1) के निर्दिष्ट प्रविष्टियों निम्नलिखित कार्य करने के लिए सहायक होगा -

(क) किसी ऐसे मकान, स्थान, वाहन, यात्रा या वायुयान में प्रवेश करने या उनको तलाशी देने, जिसके संबंध में उसके पास यह संदेह करने के कारण है कि वह अपराध के ऐसे अभिलेख या आगमन करेगा है।

(ख) खंड (क) द्वारा उद्धृत शब्दों का प्रयोग करने के लिए ऐसे किसी दरवाजे, बाक्स, सामान, लिफाफे, अक्षरों या अन्य पत्र का ताला तोड़ने, उनको धाबियां उगलाने नहीं है ;

(ग) ऐसी तलाशी के परिणामस्वरूप पाए गए किसी अभिलेख या संभूति का अधिग्रहण करने ;

(घ) ऐसे अभिलेखों को ध्वस्त करने या उनसे तलाश या उनको प्रतियां प्राप्त करने या नष्ट करने ;

(ङ) ऐसे अभिलेख का नष्टि या एक नोट या सूची बनाने ;

(च) किसी ऐसे व्यक्ति को, जिसके ऊपर या निरंतरण में कोई अभिलेख या संभूति पाई जाती है, ऐसे कर्म दिवसों की शक्ति शपथ न करने, जो इस अधिनियम के अधीन किसी अपराध के प्रमाणों के लिए सूचना हों।

परन्तु अधिनियम की धारा 17 की एधारा (1) के अधीन जोड़ तलाशी तथा तलाश नहीं की जाएगी जब तक -

(क) अनुसूची के भाग क और भाग ख के पैर (1) के अधीन अपराध के संबंध में वह प्रक्रिया संहिता 1973 (1974 का 2) की धारा 173 के अधीन कोई रिपोर्ट अधिसूत्र को अप्रेषित न की गई हो ; या

(ख) अनुसूची के भाग क के पैर 2 के अधीन किसी अपराध के संबंध में, स्वयं कोषधि और मनःप्रसादी पदार्थ अधिनियम, 1958 (1958 का 31) की धारा 38 की एधारा (1) के अधीन गठित विरोध न्यायालय द्वारा किसी अपराध के संज्ञान देने के लिए कोई पुलिस रिपोर्ट या परिवाद काबुल न किया गया हो ;

कामों को प्रवेश प्राप्त नहीं किया था तबका है तो प्राधिकार का विचार करने वाले प्राधिकारी के लिए, पुलिस अधिकाधिक और ऐसे अधिकारियों की, जो अधिनियम को धारा 54 में विनिर्दिष्ट हैं, तथा अपेक्षित सहायता से किसी ऐसे जलयान या यान को रोकना क किसी वायुयान की दशा में उड़ाने और नीचे उतरने के लिए मजबूर करना और जलयान, यान या वायुयान को किसी भाग की सम्पत्ती लेश विधिपूर्ण होगा और यदि उसके द्वारा अपना प्राधिकार प्रस्तुत किए जाने और प्रवेश करने की तांग सम्पन्न कर ले लिए जाने के पश्चात् वह अन्यथा प्रवेश नहीं कर सकता है तो उसको लिए ऐसे जलयान, यान या वायुयान को किसी दशा में या स्थिति को रोकना भी विधिपूर्ण होगा, चाहे वह तनारी लिए जाने वाले व्यक्ति का हो या किसी अन्य व्यक्ति का :

परन्तु यदि ऐसा कोई जलयान, यान या वायुयान किसी ऐसी भूमि के धारताधिक अधिनियम में है, जो अधि के अनुज्ञाप लोगों के सामने नहीं आ सकती तो प्राधिकारी ऐसे जलयान, यान या वायुयान में प्रवेश करने से पूर्व ऐसी भूमि को सूचना देना कि 53 धारा से हट जाने के लिए स्वतंत्र हैं और उसे हट जाने के लिए प्रत्येक सुविधापूर्व सुविधा देना और उसके पश्चात् जलयान, यान या वायुयान को उतराना नोट करेगा और उसमें प्रवेश कर सकेगा ।

(7) प्राधिकारी, किसी ऐसे व्यक्ति से, जो किसी ऐसे मकान, स्थान, जलयान, यान या वायुयान में स्थित किसी बस्से, लौकर, रिजोरी, अलमारी या किसी अन्य पाठ का स्वामी है या वे उसके सम्बन्ध रखते हैं नियंत्रण में हैं, उसे खोलने और उतारने और उतारने की जास या परीक्षा करने के लिए उस तक पहुंच प्रदान करने की अपेक्षा कर सकें और जहाँ उसकी चाबियां उपलब्ध नहीं हैं, जहाँ जहाँ ऐसा व्यक्ति ऐसी किसी अपेक्षा का अनुपालन करने में असफल रहता है, जहाँ वह ऐसे किमी बस्से, लौकर, रिजोरी, अलमारी या किसी अन्य पाठ का तादा तोर सकेगा जिसे प्राधिकारी निदेशक द्वारा इस विधि निर्दिष्ट सभी या किसी इंगीजनों को नुन करने के लिए आवश्यक समझे ।

(8) तनारी लिए जाने वाले जलयान, यान या वायुयान के अधिनियमों, जिसके अन्तर्गत ऐसे जलयान, यान या वायुयान का मालसाधक व्यक्ति या उनकी और से कोई व्यक्ति भी है, तनारी के बीच में ही उपस्थित रहने के अनुज्ञा की जाएगी ।

4. अधिग्रहण से संबंधित प्रक्रिया :

(1) प्राधिकारी, किसी भवन, स्थान, जलवायन, यान या वायुयान की उदासी के परिणामस्वरूप या किसी अन्य लेख या संघति या अधिग्रहण कर सकेगा :

परन्तु जहाँ किसी अधिलेख या संघति का अधिग्रहण व्यवहार नहीं है वहाँ प्राधिकारी, ऐसे उदासी या व्यक्ति को, जिसके अन्तर्गत ऐसे या निरंकुश में ऐसा अनिलेख या संघति है, एक से अधिक की उदासी कर सकेगा कि वह प्राधिकारी की पूर्ण अनुमति के विनाय ऐसे अधिग्रहण या संघति को नहीं हटाएगा या उसे अपने से दूर नहीं करेगा या इनके समर्थ में अन्वेषण कोई कार्यवाही नहीं करेगा, ऐसे अनुयायन को सुनिश्चित करने के लिए वह ऐसे उपाय कर सकेगा, जो आवश्यक हों

(2) प्राधिकारी इन विधियों से उदासी करण 2 में एक अधिग्रहण भण्डन (यहाँ की सूची) तैयार करेगा जिसे उस उदासी लिए गए भवन, स्थान, जलवायन, यान या वायुयान के अधिगो गो, जिसके अन्तर्गत ऐसे जलवायन, यान या वायुयान का भारसाधक व्यक्ति का उदासी और से कोई व्यक्ति भी है, परिवर्तन करेगा और नारिकारी दृश प्रकृत तैयार की गई सूची की एक प्रति विशेषज्ञ और न्यायनिर्णायक नारिकारी को भी उप्रेक्षित करेगा :

(3) प्राधिकारी ऐसी संघतियों के, जिसके अन्तर्गत उदासी के दौरान अधिगृहीत चीजां चादी, लोखणत और अन्य मूल्यवान वस्तुएं और चीजे भी हैं, अतिशेखर एक पैकेज में रखेगा या रखवाएगा जिसमें उसमें रखे सोना चांदी जेवरत और अन्य मूल्यवान वस्तुओं और चीजों को धारे अन्वेषण हों, ऐसे प्रत्येक पैकेज पर एक पाठमान चिन्ह और प्राधिकारी की मुद्रा होगी तथा उदासी लिए गए भवन, स्थान, जलवायन, यान या वायुयान के अधिगो गो को, जिसके अन्तर्गत ऐसे जलवायन, यान या वायुयान का प्रधान व्यक्ति या उदासी और से कोई व्यक्ति भी है, को भी अपनी मुद्रा लगाने की अनुमति भी चाहेगी !

(4) उपविधय (2) के अनुसार हेतव की गई सूची की एक प्रति उदासी लिए गए भवन, स्थान, जलवायन, यान या वायुयान के अधिगो गो को, जिसके अन्तर्गत ऐसे जलवायन, यान या वायुयान का भारसाधक व्यक्ति या उदासी और से कोई व्यक्ति भी है, परिवर्तन की

जाएँगे। अधिकारों पराधीन एवं प्रांतीय विभाग और प्रांतनिर्माणगत प्राधिकारी को भी अंतर्भूत करेगा।

६. संघ प्रक्रिया संहिता, १९७३ के उपबन्धों का जन्म होना -

संघ प्रक्रिया संहिता, १९७३ (१९७४ का २) के उपबन्ध २६ और २७ का जन्म होने पर जहाँ तक वे अधिनियम के तत्कारी और अधिव्यवस्था से सम्बंधित उपबन्धों से अलग नहीं हैं।

६. अधिलेखों का परिचालन:-

(१) पंचायत प्राधिकरणों, अधिनियम के अन्तर्गत किन्हीं कार्यालयों में लक्ष्ये अथवा प्रत्युत किए गए किन्हीं अधिलेखों को परिचालन करने के लिये :-

पहले जहाँ पर्यावरण प्राधिकारी उप निदेशक या सहायक निदेशक है वह वह किन्हीं अधिलेखों को संश्लेषित रूप में लक्ष्ये कार्यों को लेखनार्थ किए बिना परिचालन नहीं करेगा और जहाँ ऐसे कार्यों को निदेशक को अंतर्भूत करेगा।

(२) यदि पंचायत प्राधिकारी पुलिस या केंद्रीय सरकार के अधिकारियों या लोगों को सहायता को अवेक्षा करता है तो अधिनियम को धारा ६१ की उपधारा (६) के अन्तर्गत किन्हीं अधिलेखों का परिचालन करने समय अधिनियम की धारा ६४ के अन्तर्गत जहाँ आवश्यकताओं को ध्यान में करना जरूरी है कि विधिपूर्ण होगा।

(३) निदेशक से बिना पर्यावरण प्राधिकारी परिचालन किए गए अधिलेखों की तीन प्रतियाँ में एक भुवि रखा करेगा। जहाँ पंचायत प्राधिकारी निदेशक है, वहाँ पर ऐसी भुवि दो प्रतियों में तैयार करेगा।

(४) अधिलेखों की किसी दुरी का प्रत्येक पृष्ठ पर्यावरण प्राधिकारी जो तत्तर्कित तत्तर्कित तत्तर्कित अधिलेख परिचालन किए गए हैं, हस्ताक्षरित होगा। एक दस्ता में जहाँ वह तत्तर्कित तत्तर्कित अधिलेख परिचालन किए गए हैं, हस्ताक्षर करने से इंकार करता है जहाँ परिचालन प्राधिकारी उसीमें ऐसी संस्कार को अधिलेखित करेगा।

(२) प्राधिकारी, क्यारिबिडि, उक्त मुद्रणद करने से पूर्व लिफाफे में इन नियमों से संलग्न प्रत्य ३ में एक अभिलेखीकृति-पत्ती रखेगा ।

(३) प्रीवियन्स, यन्त्रिकी, मुख्यतः लिफाफे पर अग्रिम का स्वयं शब्दांक और प्रेषण की शर्तों पर अवहित करेगा ।

(४) मुद्रणद लिफाफे पर "गोपनीय" और "केवल प्रेषितो द्वारा ही ही पाए" लिखित किया जाएगा । मुख्यतः लिफाफे पर न्यायनिर्वाहक प्राधिकारी की प्राधिकारिक मुद्रा का हिसाब और तबका पर पता लिखित है ।

(५) प्राधिकारी, क्यारिबिडि, मुख्यतः लिफाफे को एक सादी मुद्रणद लिफाफे में रखेगा और इन नियमों से संलग्न प्रत्य-३ में अभिलेखीकृति पत्ती रखेगा ।

(६) बाहरी लिफाफे की मुद्रणद किमा कपाया और "गोपनीय" लिखित किया जाएगा । मुख्यतः बाहरी लिफाफे पर न्यायनिर्वाहक प्राधिकारी का मुद्रा का पता लिखित होगा ।

(७) प्राधिकारी, क्यारिबिडि, इस विभाग के प्रयोगों के लिए विभिन्न प्रत्य में सजिले और अन्य केन्द्रों से संबंधित अभिलेखीकृति-पत्ती रजिस्टर, सचिव रजिस्टर रखेगा तथा यह सुनिश्चित करेगा कि न्यायनिर्वाहक प्राधिकारी की कार्यों तथा सामग्री के प्रेषण के लिए जो ले जाते हैं वे सही प्रकार से तैयार कर दिए जा सकें ।

४. न्यायनिर्वाहक प्राधिकारी द्वारा भेजाया गया अभिलेखीकृति कया खति की तलाशी से संबंधित कारणों और तपनी की एक प्रति की प्राप्ति की अभिलेखीकृति-

(१) न्यायनिर्वाहक प्राधिकारी या उसकी अनुपस्थिति में न्यायनिर्वाहक प्राधिकारी के कार्यालय या अधिष्ठित अधिकारी, प्रत्य-४ के साथ बाहरी मुद्रणद लिफाफे की प्राप्ति पर प्रत्य-३ को सम्मान दे कर ले सकेंगे और यह प्रत्य प्रभाकर फरसेके तब अपने उद्योगों को पीने अपना नाम स्पष्ट रूप से लिख कर अवहित करेगा । न्यायनिर्वाहक प्राधिकारी के कार्यालय की मुद्रण प्रत्य-४ को प्राधिकारी को अधिष्ठित करने से पूर्व मुख्यतः लिफाफे की प्राप्ति के संलग्न को एक में लाई जाएगी ।

(2) न्यायनिर्णायक प्राधिकारी, गृहसूच्य विभाग के खोलने पर क्लॉज III को सन्यक्त रूप से भरने और उस पर हस्ताक्षर करके तथा अपने हस्ताक्षर के नीचे अपना नाम स्पष्ट रूप से लिख कर संश्लेषित करेगा । इस क्लॉज को प्राधिकारी को उपस्थित करने से पूर्व न्यायनिर्णायक प्राधिकारी के कार्यालय की गृहसूच्य कार्यों की प्रति और सामग्री की प्राप्ति के टंकन से उसे लगाई जायगी ।

(3) न्यायनिर्णायक प्राधिकारी, इस नियम के प्रयोजनों के लिए, ऐ-अनर्इ किम्प गैर कार्यों की प्रति के साथ कार्यों के प्राप्ति के बारे में सूचित करने हुए रजिस्टर और अन्य अभिलेख तथा अभिलेखकृति पत्रों, तपिल्लर, टंक अभिलेख और रजिस्टर रखेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि ऐसे गणना और सामग्री के प्राप्त होने के ठीक पश्चात् रजिस्ट्रों में आवश्यक प्रविष्टियां कर दी गई हैं ।

10. न्यायनिर्णायक प्राधिकारी द्वारा क्लॉज III और अभिलेख और कार्यों की सलाही से संश्लेषित कार्यों की प्रति और सामग्री उपस्थित करने की व्यवधि-

(1) न्यायनिर्णायक प्राधिकारी, क्लॉज III और अभिलेख और कार्यों की सलाही से संश्लेषित कार्यों की प्रति और सामग्री को हर वर्ष की प्राप्ति के लिए एक बार की एक व्यवधि के अन्तर्गत ले पूरे प्रतीपाक्षित करेगा यदि

(i) अधिनियम की क्लॉज 3 के अर्धीन जोई-कार्यवाहिक प्रारंभ हो गई है, तो वहां सभी कार्यों की प्रति लिये लेने तक ; या

(ii) वहां अधिनियम की क्लॉज 26 के अर्धीन उचीत अधिनियम को कोई अधिनियम की गई है तो वहां अधिनियम द्वारा ऐसी अधिनियम का निर्धारण किए जाने तक ; या

(iii) वहां अधिनियम की क्लॉज 42 के अर्धीन उच्च न्यायलय में कोई अधिनियम की गई है तो वहां उच्च न्यायलय द्वारा ऐसी अधिनियम का निर्धारण किए जाने तक जो भी बाध में है ।

की तबियत भी खराबी और लालापन किया गया था तथा नीचे अनुसूची में दिए गए स्थानों के अनुसार सूची संख्या की सूची में या बहकनी की सूची में और सम्प्रदाय किया गया था। एतद्वारा अतिरिक्त अतिरिक्त स्थानों के लिए सूची संख्या की सूची में सूची संख्या के संकेत किसी व्यक्ति का संकेत को कोई नहीं पहुँचाई रहेगी।

(हस्ताक्षर)
प्राधिकारी
मुद्रा

अनुसूची
[हस्ताक्षर किए गए अतिरिक्त सूची के सूची संख्या]

नया स्थान:

1.
[संकेत चिह्न हस्ताक्षर]

2.
[संकेत चिह्न हस्ताक्षर]

[संकेत चिह्न दिए गए स्थानों के हस्ताक्षर]

(संकेत प्राप्त की)

(संकेत प्राप्त):
हस्ताक्षर मुद्रा संकेत

[संकेत चिह्न दिए गए स्थानों के हस्ताक्षर]

टिप्पणी : अतिरिक्त सूची संख्या के प्रत्येक पृष्ठ पर पंच साक्षियों, अज्ञातों दिए गए अक्षर और प्राधिकारी द्वारा संकेत चिह्न हस्ताक्षर किया जाने है।

प्रत्येक
[निष्पत्ति का हस्ताक्षर (2) के साथ]

अतिरिक्त सूची संख्या

सूची संख्या: _____

..... (प्राधिकारी का नाम) ले संकेत (संकेत) के

पर संकेत संकेत हैं, कक्षा और संख्या के साथ एक प्रति सूची संख्या _____

के _____ संकेत प्राप्त है।

[न्यायनिर्वाहक प्राधिकारों के हस्ताक्षर]

तारीख

[न्यायनिर्वाहक प्राधिकारों का नाम]

[कार्यालय की मुहर]

प्रेषितो

.....
[प्राधिकारों का नाम और पदनाम]

या
.....
.....

मकम 4

(विभाग 3 का अधिनियम (5) के अंतर्गत)

अभिस्वीकृति पत्रों

कम से कम

(प्राधिकारों का पदनाम) से (तारीख) तक (समय) तक

सुसंस्कृत (लिफाफों) विरहणी संख्या तारीख है प्रेषित हुआ।

[न्यायनिर्वाहक प्राधिकारों, न्यायनिर्वाहक प्राधिकारों के
कार्यालय के अभिहित प्राधिकारों के हस्ताक्षर]

[न्यायनिर्वाहक प्राधिकारों, न्यायनिर्वाहक प्राधिकारों के
कार्यालय के अभिहित प्राधिकारों का नाम]

[कार्यालय की मुहर]

प्रेषितो

.....
[प्राधिकारों का नाम और पदनाम]

या
.....
.....

प्रस्ताव 6
(नियम 74 के अंतर्गत)

समन प्रेषण के लिए प्रस्ताव

.....
.....
.....
(समन प्रेषण के लिए अधिसूचनाएं प्रेषित करना)

श्री

श्री..... निदेशक या उप निदेशक या सहायक निदेशक या उप निदेशक या सहायक निदेशक या प्रमुख निदेशक अभिनियम, 2002 (2002 का 15) के अंतर्गत अधिसूचनाएं प्रेषित करने के लिए।

और श्री..... की उपस्थिति सूचना अधिसूचनाओं को संलग्न करने के लिए।
(समन प्रेषण के लिए अधिसूचना प्रेषित करना)

आवश्यक समझता हूँ।

अतः, अब मैं, एक अधिसूचना प्रेषित करने के लिए (2) और अधिसूचना (3) के अंतर्गत सूचनाएं प्रेषित करने का प्रयत्न करने के लिए सूचना.....

(समन प्रेषण के लिए अधिसूचना प्रेषित करना)

की अधिसूचनाओं को संलग्न करने के लिए अधिसूचना प्रेषित करने के लिए।
अधिसूचना प्रेषित करने के लिए।

अधिसूचना

तारीख ----- को मेरे हस्ताक्षर और मुद्रा के अंतर्गत प्रेषित किया गया।

समन प्रेषण के लिए अधिसूचनाएं
प्रेषित करने के लिए
(सूचना)

श्रीवा नं.

.....
(समन प्रेषण के लिए अधिसूचना प्रेषित करना)

लिपि :

1. एक अधिसूचना प्रेषित करने के लिए (2) और अधिसूचना (3) के अंतर्गत सूचनाएं प्रेषित करने के लिए अधिसूचना प्रेषित करने के लिए।
अधिसूचना प्रेषित करने के लिए।

- (f) "Director" for the purpose of sub-section (1) of section 7 of the Act means the Director appointed under sub-section (1) of section 49 of the Act.
- (g) "Director" or "Additional Director" or "Joint Director" or "Deputy Director" or "Assistant Director" for the purpose of sub-section (5) of section 33 of the Act, means a Director or Additional Director or Joint Director or Deputy Director or Assistant Director appointed by the Central Government under sub-section (1) of section 49 of the Act.
- (h) "Form" means forms appended to these rules.
- (i) "impounding authority" for the purpose of sub-section (5) of section 33 of the Act, means the Director or Additional Director or Joint Director or Deputy Director or Assistant Director appointed by the Central Government under sub-section (1) of section 49 of the Act;
- (j) "material" for the purpose of sub-section (2) of section 17 of the Act means the material in possession of the authority referred to in clause (c) of sub-rule (1) of rule 2, after search and seizure under sub-section (1) of section 7 of the Act including -
- (i) a report forwarded to a Magistrate under section 173 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974) in relation to an offence under paragraph 1 of Part A and Part B of the Schedule or
 - ii) a police report or a complaint filed for taking cognizance of an offence by the Special Court constituted under sub-section (1) of section 38 of the Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1986 (87 of 1986) in relation to an offence under paragraph 2 of Part A of the Schedule;
- (k) "material" for the purpose of sub-section (2) of section 18 of the Act means the material in possession of the authority referred to in clause (e) of sub-rule (1) of rule 2, after search and seizure under sub-section (1) of section 18 of the Act including -
- (i) a report forwarded to a Magistrate under section 173 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974) in relation to an offence under paragraph 1 of Part A or paragraph 1 or paragraph 2 or paragraph 3 or paragraph 4 or paragraph 5 of Part B of the Schedule, or

- (ii) a police report or a complaint filed for taking cognizance of an offence by the Special Court constituted under sub-section(1) of section 36 of the Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1985 (61 of 1985) in relation to an offence under paragraph 2 of Part A of the Schedule
- (j) "place" means a place, where an act which constitutes the commission of the offence of money laundering is carried on and includes any other place, whether any activity is carried on therein or not, in which the person carrying on such activity states that any of his records or any part of his property relating to such act are or are kept;
- (k) "records" include the records maintained in the form of books or stored in a computer or tapes or discs or in any other electronic form or transcribed information of any type whether expressed in ordinary or machine language and such other documents as may be useful for the purposes of these rules;
- (l) "Schedule" means the Schedule to the Act.
- (m) "section" means a section of the Act.
- (n) "Summoning Officer" means an officer who has the power to summon any person under sub-section (2) of section 50 of the Act.
- (2) All other words and expressions used and not defined in these rules but defined in the Act shall have the meaning respectively assigned to them in the Act.
3. Procedure relating to search. - (1) The Director may authorize any officer subordinate to him for the purpose of sub-section (1) of section 17 of the Act and such authorization shall be in Form 1 appended to these rules.
- (2) The authority referred to in clause (c) of sub-rule (1) of rule 2, shall be empowered to -
- enter and search any building, place, vessel, vehicle or aircraft where he has reason to suspect that such records or proceeds of crime are kept;
 - break open the lock of any door, box, locker, safe, almirah or other receptacle for exercising the powers conferred by clause (c) where the keys thereof are not available;
 - seize any record or property found as a result of such search;

- (d) place marks of identification on such record or make or cause to be made extracts or copies therefrom;
- (e) make a note or an inventory of such record or property;
- (f) examine on oath any person, who is found to be in possession or control of any record or property, in respect of all matters relevant for the purposes of any investigation under this Act.

Provided that no search under sub-section (1) of section 17 of the Act shall be conducted, unless -

- (a) in relation to an offence under paragraph 1 of Part A and Part B of the Schedule, a report under section 173 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974) has been forwarded to a Magistrate; or
 - (b) in relation to an offence under paragraph 2 of Part A of the Schedule, a police report or a complaint has been filed for taking cognizance of an offence by the Special Court constituted under sub-section (1) of section 36 of the Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1985 (61 of 1985).
- (3) Before making a search, the authority, shall-
- (a) where a building or place is to be searched, call upon two or more respectable persons of that locality in which the building or place to be searched is situated; and
 - (b) where a vessel, vehicle or aircraft is to be searched, call upon any two or more respectable persons to attend and witness the search and may issue an order in writing to them or any of them so to do.
- (4) Any person in charge of, or, in any building, place, vessel, vehicle or aircraft shall on production of the authorisation, allow the authority free ingress thereto and afford all reasonable facilities for search thereon.
- (5) If ingress into such building or place cannot be obtained, it shall be lawful for the authority executing the authorisation, with such assistance of police officers or of such other officers as specified in section 54 of the Act, as may be required, to enter such building or place and search therein and in order to effect an entrance into such building or place to break open any lock of any door or window of any building or place, whether that of the person to be searched or of any other person if after production of authorisation and demand of admittance duly made he cannot otherwise obtain admittance:

Provided that if any such building or place is an apartment in actual occupancy of a woman, who according to custom does not appear in public, the authority shall, before entering such apartment, give notice to such woman that she is at liberty to withdraw and shall afford her every reasonable facility for withdrawing and may then break open the apartment and enter it.

- (6) If ingress into any vessel, vehicle or aircraft authorized to be searched cannot be obtained because such vessel, vehicle or aircraft is moving or for any other reason, it shall be lawful for the authority executing the authorisation, with such assistance as may be required of police officers and such officers, as specified in section 54 of the Act, to stop any such vessel or vehicle or, in the case of an aircraft, compel it to stop or land, and search any part of the vessel, vehicle or aircraft, and in order to effect an entrance into such vessel, vehicle or aircraft to break open any door or window of any such vessel, vehicle or aircraft, whether that of the person to be searched or of any other person, if after production of the authorisation and demand of admittance duly made, he cannot otherwise obtain admittance.

Provided that if any such vessel, vehicle or aircraft is occupied by a woman, who according to custom does not appear in public, the authority shall, before entering such vessel, vehicle or aircraft, give notice to such woman that she is at liberty to withdraw and shall afford her every reasonable facility for withdrawing and may then break open the door of any vessel, vehicle or aircraft and enter it.

- (7) The authority may require any person who, is the owner, or has the immediate possession, or control, of any box, locker, safe, almirah or any other receptacle situated in such building, place, vessel, vehicle or aircraft, to open the same and allow access to inspect or examine its contents, and, where the keys thereof are not available or where such person fails to comply with any such requirement, may break open the lock of such box, locker, safe, almirah or other receptacle which the authority may deem necessary for carrying out all or any of the purposes specified by the Director in this behalf.
- (8) The occupant of the building, place, vessel, vehicle or aircraft searched, including the person in charge of such vessel, vehicle or aircraft, or some person on his behalf, shall be permitted to attend during the search.
4. Procedure relating to seizure. — (1) The authority may seize any record or property found as a result of search at any building, place, vessel, vehicle or aircraft.

Provided that where it is not practicable to seize any record or property, the authority may serve an order on the owner or the person who is in immediate possession or control of any such record

of property that he shall not remove, part with or otherwise deal with it except with the previous permission of the authority, who may take such steps as may be necessary for ensuring such compliance.

- (2) The authority shall prepare a seizure memo (inventory of items) in Form II appended to these rules which shall be delivered to the occupant of the building, place, vessel, vehicle or aircraft searched, including the person in charge of such vessel, vehicle or aircraft or some person on his behalf and the authority shall also forward a copy of the inventory so prepared to the Director and the Adjudicating Authority.
- (3) The authority shall place or cause to be placed the records of properties including bullion, jewellery and other valuable articles and things seized during the search in a package which shall contain the details of the bullion, jewellery and other valuable articles and things placed therein, such packages shall bear an identification mark and the seal of the authority, and the occupant of such building, place, vehicle or aircraft, including the person in charge of such vessel, vehicle or aircraft searched or any other person on his behalf shall also be permitted to place his seal on packages.
- (4) A copy of the list prepared in accordance with sub-rule (3) shall be delivered to the occupant of the building, place, vehicle or aircraft, including the person in charge of such vessel, vehicle or aircraft searched or any other person on his behalf and the authority shall also forward a copy thereof to the Director and the Adjudicating Authority.

5. **Applicability of the provisions of the Code of Criminal Procedure, 1973.** - The provisions of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974) shall apply, in so far as they are not inconsistent with the provisions of the Act relating to search and seizure.

6. **Impounding of records.** - (1) The impounding authority may impound any records produced before him in any proceedings under the Act

Provided that where the impounding authority is a Deputy Director or an Assistant Director, he shall not impound any records without recording his reasons in writing, and shall immediately forward such reasons to the Director

- (2) If the impounding authority requires assistance of police or officers of the Central Government, or both, it shall be lawful for him to seek such assistance as necessary under section 54 of the Act while impounding any records under sub-section (5) of section 53 of the Act.
- (3) The impounding authority, other than the Director, shall prepare an inventory of impounded records in triplicate. Where the impounding authority is the Director, he shall prepare such inventory in duplicate.
- (4) Each page of an inventory of records shall be signed by the impounding authority and the person from whom records have been

improunded. In case where the person from whom records have been impounded refuses to sign, the impounding authority shall record such refusal therein.

- (5) The impounding authority other than the Director shall give one copy of such inventory to the person from whom records have been impounded and shall forward immediately one copy to the Director while retaining one copy with him. Where the impounding authority is the Director, he shall give one copy of such inventory to the person from whom records have been impounded and shall retain one copy with him.
- (6) The impounding authority other than the Director may, after obtaining the previous approval of the Director in writing, return any records impounded under this rule, to the person from whom records were impounded, if such records are no longer useful and relevant for any proceedings under this Act.

7. Custody of records.— Any records impounded by the impounding authority under sub-section (5) of section 60 of the Act may be retained in his custody:

Provided that where the impounding authority is a Deputy Director or an Assistant Director he shall not retain in his custody any such records for a period exceeding three months, without obtaining the previous approval of the Director in writing.

- 8. Manner of forwarding of a copy of the reasons and the material relating to search and seizure under sub-section (2) of section 17 of the Act and search of persons under sub-section (2) of section 18 of the Act to the Adjudicating Authority.**— (1) The authority, as the case may be, shall prepare an index of a copy of the reasons recorded along with the material in his possession and sign each page of such index and shall also write a letter while forwarding copy of reasons and material to the Adjudicating Authority in a sealed envelope.
 - (2) The authority, as the case may be, shall place an acknowledgement slip in Form III appended to these rules inside the envelope before sealing it.
 - (3) The authority, as the case may be, shall indicate a reference number and date of despatch on the sealed envelope.
 - (4) The sealed envelope shall be marked "Confidential and To be opened by the addressee only" and the complete address of the Adjudicating Authority including his name shall be mentioned on the sealed envelope with official seal.
 - (5) The authority, as the case may be, shall place the sealed envelope inside the outer envelope, and shall place an acknowledgement slip in Form IV appended to these rules.

- (6) The outer envelope shall be sealed and marked "Confidential". Complete address of the Adjudicating Authority shall be mentioned on the sealed outer envelope.
- (7) The authority, as the case may be, shall maintain registers and other records such as acknowledgement slip register, dak register for the purposes of this rule and shall ensure that necessary entries are made in the register immediately as soon as a copy of the reasons along with the material are forwarded to the Adjudicating Authority.
9. **Acknowledgement of receipt of a copy of the reasons and the material relating to search and seizure and search of person by the Adjudicating Authority.**— (1) On receipt of the outer sealed envelope along with Form-IV, the Adjudicating Authority or in his absence, the designated officer of the office of Adjudicating Authority shall forward Form-IV duly filled in, signed and his name legibly written below his signature. The seal of the office of the Adjudicating Authority shall be affixed before forwarding Form-IV to the authority as a token of receipt of the sealed envelope.
- (2) The Adjudicating Authority shall, on opening of the sealed envelope, forward Form-II duly filled in, signed and his name legibly written below his signature. The seal of the office of the Adjudicating Authority shall be affixed before forwarding of Form-III to the authority as a token of receipt of a copy of the reasons and the material.
- (3) The Adjudicating Authority shall maintain registers and other records such as acknowledgement slip register, dak register and register showing details of receipt of a copy of the reasons recorded along with the material for the purposes of this rule and shall ensure that necessary entries are made in the register immediately on receipt of such copy of the reasons and the material.
10. **Period of retention of copy of the reasons and the material relating to search and seizure and search of persons by the Adjudicating Authority.**— (1) The Adjudicating Authority shall retain copy of the reasons and the material relating to search and seizure and search of persons for a period of ten years or if, before the expiry of the said period of ten years,—
- (i) any proceedings under section 8 of the Act have been commenced, until the disposal of such proceedings, or
- (ii) where an appeal has been preferred to the Appellate Tribunal under section 26 of the Act, until the disposal of such appeal by the Appellate Tribunal, or
- (iii) where an appeal has been filed in the High Court under section 42 of the Act, until the disposal of such appeal by the High Court;
- whichever is later.

- 11. **Forms of records.** — The Summoning Officer shall, while exercising powers under sub-sections (2) and (3) of section 50 of the Act, issue summons in Form-V appended to these rules.
- 12. **Interpretation.** — If any question arises relating to the interpretation of these rules, the matter shall be referred to the Central Government and the decision of the Central Government shall be final.

FORM I

[See sub-rule (1) of rule 3]

**AUTHORISATION FOR SEARCH AND SEIZURE
UNDER SUB-SECTION (1) OF SECTION 17 OF THE ACT**

Authorisation Number .. of Dated
[Year] ..

WHEREAS I Director, have reason to believe that

[name and complete address of the person]

- (i) has committed an act which constitutes money-laundering, or
- (ii) is in possession of proceeds of crime involved in money-laundering, or
- (iii) is in possession of records relating to money-laundering, and

certain documents including proceeds of crime and/or records relating to money-laundering, which in my opinion, will be useful for or relevant to the investigation and proceedings under the Prevention of Money-laundering Act, 2002 (15 of 2002) are secreted in the premises specified in the Schedule below:

I hereby authorise

[Name and designation of the authority]

to conduct the search and seizure of the premises specified in Schedule below, under sub-section (1) of section 17 of the Prevention of Money-laundering Act, 2002 (15 of 2002) and rule 3 of the Prevention of Money-laundering (Forms, Search and Seizure and the Manner of Forwarding the Reasons and Material to the Adjudicating Authority, Impounding and Custody of Records and the Period of Retention) Rules, 2002.

Given under my hand and seal this day of two thousand

Schedule of premises :

[Director]
[Signature with Seal]

FORM II
[Sec 51(2) of Act 1]

SEIZURE MEMO (INVENTORY OF ITEMS)

Dated

From to
[time] [time]

Panch Witnesses:

1.
[name with complete address]

2.
[name with complete address]

Wt. the above named panchas having been called upon by Shri
.....
[name, designation and complete address of Officer]
have presented themselves at.....
[complete address of the premises]

Here we were shown an authorisation dated issued by Shri
..... under section 17 of the
[name, designation and complete address of the Director]
Prevention of Money-laundering Act, 2002 (15 of 2002) authorising Shri

..... in conduct search;
[name, designation and complete address of the officer authorized by the Director]
and seizure of the above mentioned premises. We as well as Shri
..... put our callig signatures on the
[name of the occupier of the premises]

authorisation in token of having seen the same. Before the actual start of search
and after the conclusion of search by Shri.....

..... [name, designation and complete address of the authority]
and the accompanying officers viz Sarveshri/Shri/Shrimati
..... offered
their personal search which was declined/taken by
Sarveshri/Shri/Shrimati
[the occupier of the premises]

on both the occasions in our presence. The search started at
..... hours on and concluded at hours
on..... As a result of search
..... were checked and
[specify proceeds of crime or records]

verified and inventory prepared or recovered and seized as per details given in the Schedule below. The search was conducted in a peaceful and orderly manner and no damage to the person or property was caused during the course of search.

[Signature]
Authority

[Seal]

SCHEDULE

[Inventory of items recovered and seized]

Panch Witnesses:

1.
[signature with date]
2.
[signature with date]

.....
[signature of the person searched]

(Authority)
Signature with Seal

(Received copy)
[signature of the person searched]

NOTE -

Each page of the seizure memo is to be signed and dated by the Panch Witnesses, the person searched and the Authority.

FORM III

[See sub-rule (2) of rule 8]

ACKNOWLEDGEMENT SLIP

Serial Number

Received a copy of the letter bearing Number dated
..... along with the reasons and the material containing
pages..... from of..... at.....
[designate of the authority] [date] [time]

[Signature of the Adjudicating Authority]

Date

[Name of the Adjudicating Authority]

[Office seal]

To _____
[Name and designation of the authority]

Address _____

FORM IV
[See sub-rule (2) of rule 3]
ACKNOWLEDGEMENT SLIP

Serial Number

Received a sealed envelope bearing number.....

Dated..... from ..
[Signature of the authority]

at on
[date] [time]

Signature of the Adjudicating
Authority/designated officer
of the office of Adjudicating
Authority

Name of the Adjudicating
Authority/designated officer
of the office of Adjudicating
Authority.

[Office Seal]

To,

[Name and designation of the authority]

Address _____

FORM V

[See rule 4]

FORM FOR SUMMONS

.....
.....
.....
[ADDRESS OF THE SUMMONING OFFICER]

No.

WHEREAS I Director or
Additional Director or Joint Director or Deputy Director or Assistant Director am
making investigation under the provisions of the Prevention of Money-laundering
Act, 2002 (15 of 2003).

AND WHEREAS, I consider the attendance of
 necessary in connection with the
 [name of the person summoned and his address]
 said investigations.

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred upon me under
 sub-section (2) and sub-section (3) of section 50 of the said Act, I require the said

 [name of the person summoned and his address]
 to appear before me at my office on at
 alongwith the documents as per schedule below:-

SCHEDULE

Given under my hand and seal this day of 20.....
 thousand

Summoning Officer
 [Name and complete address]
 [Seal]

To

.....

[Name of the person summoned and his address]

Note:

1. Every proceeding under sub-section (2) and sub-section (3) of section 50 of the Prevention of Money-laundering Act 2002 shall be deemed to be a judicial proceeding within the meaning of section 193 and section 229 of the Indian Penal Code (45 of 1860).
2. Without prejudice to the provisions of any other law for the time being in force, if you fail to give evidence as mentioned in the schedule, you shall be liable to penal proceedings under the Prevention of Money-laundering Act 2002 (15 of 2002).

[New Control No. 100/M/16/022011-6.5]
 RAJESH SINGH, J. Say

अधिकृतता

श्री दिनांक 1 जुलाई 2005

क.स.स.वि. 446(सं).—किसी संसद में लोक निर्माण अधिनियम, 2002 (अस. सं. 15) में या 72 में उपखण्ड (2) के खंड (क) और खंड (द) के साथ पठित उपखण्ड (1) द्वारा प्रदात शक्तियों का प्रयोग करते हुए, न्यायनिर्णायक अधिकारों को किसी व्यक्ति को निम्नकारी के आदेश की प्रति और सभ्यी के उपस्थित करने के प्रथम और अन्तमो रीति और न्यायनिर्णायक अधिकारी द्वारा उसके प्रतिपालन की अपेक्षा के संबंध में निम्नलिखित विषय बनायी है, अर्थात् :-

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ.-

(1) इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम इस द्वायन विषयक अधिनियमक प्रारंभिकी को किसी व्यक्ति को निम्नकारी के आदेश की प्रति और सभ्यी उपस्थित करने की प्रति और उसके उपचारक की अपेक्षा, निम्न, 2005 है ।

(2) संसद में अधिनियम के अन्वयन की गारंटी से प्रसूत होगे ।

2. परिभाषाएँ.-

(1) इन विषयों में, इस अधिनियमक अन्वयन से अन्वयन से अन्वयन से अन्वयन से :-

(क) "अधिनियम" से अन्वयन विषयक अधिनियम, 2002 (अस. सं. 15) अधिनियम है ;

(ख) "न्याय निर्णायक अधिकारी" से अधिनियम को धारा 3 की उपधारा (1) के अन्वयन निम्नकार न्याय निर्णायक अधिकारी अधिनियम है ;

(ग) "निम्नकार करने वाला अधिकारी" से अधिनियम की धारा 12 की उपधारा (1) के अन्वयन किसी व्यक्ति को निम्नकार करने की शक्ति का प्रयोग करने के लिए केंद्रीय सरकार द्वारा तयारक या नियुक्त किये गए एक निम्नकार अधिकृत निम्नकार, न्यायक निम्नकार या कोई अन्य अधिकारी अधिनियम है ;

(घ) "अभियंता अधिकारी" से अधिनियम के अधिनियम (1) के अन्वयन के लिए नाम निर्णायक अधिकारी द्वारा अन्वयन अन्वयन अधिनियम है ;

(ङ) "निदेशक" या "एगनिदेशक" या "सहायक निदेशक" या अधिनियम को धारा 46 की उपधारा (1) के अन्वयन निम्नकार, पञ्चासविधि, निदेशक या एगनिदेशक या सहायक निदेशक अधिनियम है ;

(च) "प्रथम" से इन विषयों में अन्वयन प्रथम अधिनियम है ;

(ज) "अन्वयन" से अन्वयन निदेशक या अन्वयन या सहायक निदेशक या किसी अधिकृत अधिकारी के अन्वयन की शक्ति से अन्वयन अधिनियम है जिसके अन्वयन पर अन्वयन अधिनियम की धारा 12 की उपधारा (1) के अन्वयन अन्वयन अधिनियम है ;

(4) "आदेश" का तात्पर्य व्यक्ति को गिरफ्तारी का आदेश सम्बन्धित है और इसके अन्तर्गत अधिनियम को प्रायः 19 की संख्या (1) के अधीन की गिरफ्तारी के आदेश भी सम्मिलित हैं ।

(5) "पदों" से अधिनियम को प्रायः सम्बन्धित है ।

(6) ऐसे सभी अन्य शब्दों और पदों को, जो इन नियमों में प्रयुक्त हुए हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, यही अर्थ होंगे जो उनके अधिनियम में हैं ।

3. न्यायनिर्णायक प्राधिकारी को गिरफ्तारी के आदेश की प्रति और सामग्री अर्पित करने की शक्ति.-

(1) गिरफ्तार करने वाले अधिकारी आदेश की प्रति और कब्जे में जो सामग्री की अनुसंधानार्थ पता करना और अन्वेषण और खोजों की पूरी अनुक्रमणिका के सम्बन्ध प्रत्येक पृष्ठ पर एकप्रहर वर्णों और एका अनुसंधानार्थ आदेश और तबकी न्यायनिर्णायक प्राधिकारी को मुद्रांक लिफाफे में डालने काय एक पत्र भी लिखता ।

(2) गिरफ्तार करने वाले अधिकारी निम्नलिखित को मुद्रांक करने में हुए आदेश अन्तर्गत इन नियमों के साथ संलग्न प्रकाश में अधिनियम की शर्तों में स्थानों ।

(3) गिरफ्तार करने वाले अधिकारी मुद्रांक लिफाफे पर संदर्भ संख्या और तारीख देने का उचित व्यवस्था होगा ।

(4) मुद्रांक लिफाफे पर "निर्णायक" और "निर्णय प्रेषण" शब्दों का उचित व्यवस्था होगा । मुद्रांक लिफाफे पर न्यायनिर्णायक प्राधिकारी का नाम सहित व्यवस्था प्रकाश में दर्शाया होगा । प्रारंभिकी मुद्रांक लिफाफे पर शर्तों प्राथमिकीय मुद्रांक व्यवस्था ।

(5) गिरफ्तार करने वाले अधिकारी मुद्रांक लिफाफे को एक बन्दरी लिफाफे में डालना और इन नियमों के अन्तर्गत प्रकाश में अधिनियम की शर्तों में स्थानों ।

(6) तबकी लिफाफे को मुद्रांक दिया जाएगा । मुद्रांक वाली लिफाफे पर न्यायनिर्णायक प्राधिकारी का पता प्रकाश में दर्शाया जाएगा ।

(7) गिरफ्तार करने वाले अधिकारी द्वारा दिए गए प्रमाणों को लिए संवेष्टित और अभिलेखित करने पर संवेष्टित और संवेष्टित को अन्तर्गत अधिनियम की शर्तों में स्थानों तथा यह सुनिश्चित करने कि इन संवेष्टित में न्यायनिर्णायक प्राधिकारी को आदेश की प्रति तथा तबकी प्रेषण करने के अन्तर्गत प्राथमिकीय प्रतिक्रिया कर दें पर हैं ।

4. न्यायनिर्णायक प्राधिकारी द्वारा गिरफ्तारी के आदेश की प्रति और सामग्री की प्राप्ति की अभिलेखीकरण.-

(1) न्यायनिर्णायक प्राधिकारी का एकही अनुसंधान में न्यायनिर्णायक प्राधिकारी के सम्बन्ध में

प्रकरण-2

[नियम 3 का उपनियम (6) देखिए]

अभिस्वीकृति पत्रों

मैं/मैंने संख्यांक

नियम/उपनियम/प्रकरण नियम/अभिव्यक्ति अधिनियम सं (पारित) को
 (संबंध में मूल सं. संख्या, दिनांकी संख्या) का
 के माध्य द्वारा ।

[न्यायनिर्णायक अधिकारी / न्यायनिर्णायक प्राधिकारी के
 कार्यालय के अभिलिखित अधिकारी के हस्ताक्षर]

.....

[न्यायनिर्णायक प्राधिकारी / न्यायनिर्णायक प्राधिकारी के
 कार्यालय के अभिलिखित अधिकारी का नाम]

[समाप्त सं. मूल]

अभिधी

.....

[नियमन करने वाला अधिकारी]

फता

.....

.....

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st July, 2006

G.S.R. 486(III)—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with clause (a), clause (g) of sub-section (2) of section 73 of the Prevention of Money-laundering Act, 2002 (15 of 2002), the Central Government hereby makes the following rules relating to the Forms, the manner of forwarding a copy of the order of arrest of a person along with the material to the Adjudicating Authority and the period of retention thereof by the Adjudicating Authority, namely:-

1. **Short title and commencement.** - (1) These rules may be called the Prevention of Money-laundering (the Forms and the Manner of Forwarding a Copy of Order of Arrest of a Person along with the Material to the Adjudicating Authority and its period of Retention) Rules, 2006.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. **Definitions.** - (1) In these rules, unless the context otherwise requires, -
 - (a) "Act" means the Prevention of Money-laundering Act, 2002 (15 of 2002);
 - (b) "Adjudicating Authority" means an Adjudicating Authority appointed under sub-section (1) of section 6 of the Act;
 - (c) "Arresting Officer" means the Director, Deputy Director, Assistant Director or any other officer, authorized in this behalf by the Central Government by general or special order to exercise the power to arrest any person under sub-section (1) of section 19 of the Act;
 - (d) "designated officer" means the officer designated by the Adjudicating Authority for the purpose of sub-rule(1) of rule 4;
 - (e) "Director" or "Deputy Director" or "Assistant Director" means a Director or a Deputy Director or an Assistant Director, as the case may be, appointed under sub-section (1) of section 19 of the Act;
 - (f) "Form" means forms appended to these rules;
 - (g) "material" means any information or material in the possession of the Director or Deputy Director or Assistant Director or any authorized officer, as the case may be, on the basis of which he has recorded reasons under sub-section (1) of section 19 of the Act;

(h) "order" means the order of arrest of a person and includes the grounds for such arrest under sub-section (1) of section 19 of the Act

(i) "section" means a section of the Act.

(2) All other words and expressions used and not defined in these rules but defined in the Act shall have the meaning respectively assigned to them in the Act.

3. Manner of forwarding a copy of the order of arrest and the material to the Adjudicating Authority. — (1) The Arresting Officer shall prepare an

index of the copy of the order and the material in possession and sign each page of such index of the copy of the order and the material and shall also write a letter while forwarding such index, order and the material to the Adjudicating Authority in a sealed envelope.

(2) The Arresting Officer shall place an acknowledgement slip in Form-I appended to these rules inside the envelope before sealing it.

(3) The Arresting Officer shall indicate a reference number and date of despatch on the sealed envelope.

(4) The sealed envelope shall be marked "Confidential" and "To be opened by the addressee only" the complete address of the Adjudicating Authority including his name shall be mentioned on the sealed envelope with the official seal.

(5) The Arresting Officer shall place the sealed envelope inside an outer envelope, along with an acknowledgement slip in Form-I appended to these rules.

(6) The outer envelope shall be sealed and complete address of the Adjudicating Authority shall be mentioned on the sealed outer envelope.

(7) The Arresting Officer shall maintain registers and other records such as acknowledgement slip register, date register for the purposes of this rule and shall ensure that necessary entries are made in the register immediately as soon the copy of the order and the material are forwarded to the Adjudicating Authority.

4. Acknowledgement of receipt of the copy of the order of arrest and the material by the Adjudicating Authority. — (1) On receipt of the outer

sealed envelope along with Form-I, the Adjudicating Authority or in his absence the designated officer of the office of Adjudicating Authority shall forward Form-II duly filled in, signed and his name legibly written below his signature. The seal of the office of the Adjudicating Authority shall be affixed before forwarding the Form II to the Arresting Officer as a token of receipt of the sealed envelope.

- (2) The Adjudicating Authority shall, on opening of the sealed envelope, forward Form-I duly filled in, signed and his name legibly written below his signature. The seal of the office of the Adjudicating Authority shall be affixed before forwarding the Form-I to the Arresting Officer as a token of receipt of the copy of order of the arrest and the material.
- (3) The Adjudicating Authority shall maintain registers and other records such as acknowledgement slip register, dak register, and register showing details of receipt of the copy of the order of the arrest along with the material for the purposes of this rule and shall ensure that necessary entries are made in the registers immediately on receipt of such order and the material.
5. **Period of retention of a copy of the order of arrest and the material by the Adjudicating Authority.** - The Adjudicating Authority shall retain the copy of order of the arrest and the material for a period of ten years, or, if before the expiry of the said period of ten years, -
- (i) any proceedings under section 8 of the Act have been commenced, until the disposal of such proceedings; or
 - (ii) where an appeal has been preferred to the Appellate Tribunal under section 28 of the Act, until the disposal of such appeal by the Appellate Tribunal; or
 - (iii) where an appeal has been filed in the High Court under section 42 of the Act, until the disposal of such appeal by the High Court.
- Whichever is later
6. **Form of records.**- The Arresting Officer while exercising powers under sub-section (1) of Section 13 of the Act shall sign the Arrest Order in Form-III appended to these Rules.
7. **Interpretation.** - If any question arises relating to the interpretation of these rules, the matter shall be referred to the Central Government and the decision of the Central Government shall be final.

FORM-I

(See sub-rule (2) of rule 3)

ACKNOWLEDGEMENT SLIP

Serial Number

Received a copy of the order of arrest of

[Name of the person arrested]

bearing No. dated

from the Director/Deputy Director/Assistant Director/authorized officer on
..... at ..
[date] [time]

[Signature of the Adjudicating Authority]

Date
[Name of the Adjudicating Authority]

[Office seal]

To

[Arresting Officer]

Address : _____

FORM-R

(See sub-rule (2) of 1959-57)

ACKNOWLEDGEMENT SLIP

Serial Number

Received a sealed envelope bearing No dated
from the Director/Deputy Director/Assistant Director/authorized officer on
..... at ..
[date] [time]

Signature of the Adjudicating
Authority/designated officer
of the office of Adjudicating
Authority

.....
Name of the Adjudicating
Authority/designated officer
of the office of Adjudicating
Authority.
[Office seal]

To

[Arresting Officer]

Address : _____

FORM III

[See rule 5]

ARREST ORDER

WHEREAS, I Director/Deputy Director/ Assistant Director/Officer authorised in this behalf by the Central Government, have reason to believe that..... residents of

[name of the person arrested]

has been guilty of an offence punishable under the provisions of the Prevention of Money-laundering Act, 2002 (15 of 2003)

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred on me under sub-section (1) of section 19 of the Prevention of Money-laundering Act, 2002 (15 of 2003), I hereby arrest the said

[name of the person arrested]

at hours on and he has been informed of the grounds for such arrest.

Dated at on this day of Two thousand

Arresting Officer
(Signature with Seal)

To

.....
.....

[Name and complete address of the person arrested]

[Notification No. 11/2001/PF/24 6/2004M-E.S.]

K. KESHAV SINGH, J.L. Secy

अधिकृत

दिल्ली, 1 जुलाई, 2005

सूचना क्र. (म).—केंद्रीय सरकार इन शोधन विचारण अधिनियम, 2002 (2003 का 15) की धारा 20 की उपधारा (2) के साथ प्रतिष्ठान 23 को संपत्ति (1) और धारणा (2) के अंतर्गत (म) और प्रथम संकेतों का प्रयोग करते हुए, न्यायनिर्णयक प्राधिकारी की अधिगृहीत शक्ति के अन्वयेण के आदेश की प्रती तथा शोधन की शक्ति और न्यायनिर्णयक प्राधिकारी की शक्ति के अन्वयेण की शक्ति के अंतर्गत निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. शोधन का और प्रावधान— (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम शोधन विचारण (न्यायनिर्णयक प्राधिकारी) की अधिगृहीत शक्ति के प्रतिष्ठान 23 के आदेश की प्रती तथा शोधन की शक्ति के अन्वयेण की शक्ति के अन्वयेण की शक्ति) नियम, 2005 है।

(2) ये नियमों के अतिरिक्त के प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

- (i) वह अधिनियम की धारा 8 के अधीन कोई व्यक्तिवाच्य शक्ति हो गई है कि वह ऐसी कार्यवाहियों के निपटारे अथवा चोट, या
- (ii) जहां अधिनियम की धारा 28 के अधीन कोई अधिकरण को छोड़ करील की गई है तो वह अधिकरण द्वारा ऐसी करील के निपटारे अथवा चोट, या
- (iii) जहां अधिनियम की धारा 42 के अधीन उच्च न्यायालय में कोई करील की गई है तो वहां उच्च न्यायालय द्वारा ऐसी करील के निपटारे अथवा चोट, या

इनमें से जो भी पर्याप्त होती है।

e. निर्देशक-

यदि इन नियमों के निर्देशक के समय में कोई प्रश्न उत्पन्न होता है तो वह उच्चतम केंद्रीय सरकार को निर्दिष्ट किया जाएगा और केंद्रीय सरकार का निर्देशक अंतिम होगा।

प्रथम [

[निम्न 3 का अनुबन्ध (2) देखिए]

अभिसंबन्धित नहीं

क्या शिर्षक,.....

....., इस अधिकृत अधिकारी का पदनाम] से (पदनाम) के (समय) को अभिसंबन्धित न करने के प्रतिवचन के आदेश की एक प्रति और सामग्री जिसकी संख्या जशीध है प्राप्त हुई।

(अधिकृत अधिकारी का पदनाम)

[सहायक सचिव 3 के तहत के अधिकारी

द्वारा]

.....
[सहायक सचिव 3 के तहत के अधिकारी का नाम]

[अधीनस्थ की दृष्टि]

श्रेणी

.....

[अधिकृत अधिकारी का पदनाम]

पता

.....

.....

प्रत्येक II

[नियम 3 का उल्लेख (5) देखिए]

अभिलेखीकृति पत्रों

क्रम संख्यांक.....

..... [जिस प्राधिकृत प्राधिकारी का पदनाम] से (राज्य) को
 [नाम] को पुस्तक लिखा, जिसकी संख्या तारीख.....
 (समय)..... है प्राप्त हुआ
 (प्राधिकृत अधिकारी का पदनाम,

[न्यायनिर्माण प्राधिकारी, न्यायनिर्माण प्राधिकारी के
 कार्यालय के अभिलेख अधिकारी के हस्ताक्षर]

[न्यायनिर्माण प्राधिकारी, न्यायनिर्माण प्राधिकारी के
 कार्यालय के अभिलेख अधिकारी का नाम]

[कार्यालय की मुहर]

प्रेषित

[प्राधिकारी का पदनाम]

पता

.....

.....

[संविधान सं. 12/1959, सं. 14/1959-वि.सं.]

नयेन सिंह, प्रमुख प्रिंटर

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st July, 2015

28.10.14(70)—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) and clause (a) of sub-section (2) of section 73 read with sub-section (2) of section 20 of the Prevention of Money-laundering Act, 2002 (15 of 2003), the Central Government hereby makes the following rules relating to the manner of forwarding a copy of the order of retention of seized property along with the material to the Adjudicating Authority and its period of retention by the Adjudicating Authority, namely:—

1. **Short title and commencement.**— (1) These rules may be called the 'Prevention of Money-laundering (the Manner of Forwarding a Copy of the Order of Retention of Seized Property along with the Material to the Adjudicating Authority and the period of its Retention) Rules, 2015.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. **Definitions.**— (1) In these rules, unless the context otherwise requires, —
 - (a) 'Act' means the Prevention of Money-laundering Act, 2002 (15 of 2003);
 - (b) 'Adjudicating Authority' means an Adjudicating Authority appointed under sub-section (1) of section 6 of the Act;
 - (c) 'authorized officer' means an officer authorized by the Director under sub-section (1) of section 20 of the Act;
 - (d) 'designated officer' means an officer designated by the Adjudicating Authority for the purpose of sub rule (1) of rule 4;
 - (e) 'Form' means Forms appended to these rules;
 - (f) 'material' means any material in the possession of the authorized officer on the basis of which he has recorded reasons under sub-section (1) of section 20 of the Act including —
 - (i) a report forwarded to the Magistrate under section 172 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974) in relation to an offence under paragraph 1 of Part A, or paragraph 1 or paragraph 2 or paragraph 3 or paragraph 4 or paragraph 5 of Part B, of the Schedule; or
 - (ii) a police report or a complaint filed for taking cognizance of an offence by the Special Court constituted under sub-section (1) of section 35 of the Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1985 (51 of 1985) in relation to an offence under paragraph 2 of Part A of the Schedule.

- (g) "order" means the order for retention of the property for the purpose of adjudication;
 - (h) "seized property" means any property seized under section 17 or section 18 of the Act.
 - (i) "Schedule" means the Schedule to the Act.
 - (j) "section" means a section of the Act.
- (2) All other words and expressions used and not defined in these rules but defined in the Act shall have the meaning respectively assigned to them in the Act.

3. Manner of forwarding the copy of the order of retention of seized property along with the material to the Adjudicating Authority. — (1) The authorized officer shall prepare the index of the copy of the order of retention of the seized property and the material and sign each page of such index of the copy of the order and the material and shall also write a letter while forwarding such index of the copy of the order and the material to the Adjudicating Authority in a sealed envelope.
- (2) The authorized officer shall place an acknowledgement slip in Form-I appended to these rules inside the envelope before sealing it.
 - (3) The authorized officer shall indicate a reference number and date of despatch on the sealed envelope.
 - (4) The sealed envelope shall be marked "Confidential" and "To be opened by the addressee only" the complete address of the Adjudicating Authority including his name shall be mentioned on the sealed envelope with official seal.
 - (5) The authorized officer shall place the sealed envelope inside an outer envelope, along with an acknowledgement slip in Form-II appended to these rules.
 - (6) The outer envelope shall be sealed and complete address of the Adjudicating Authority shall be mentioned on the sealed outer envelope.
 - (7) The authorized officer shall maintain registers and other records such as acknowledgement slip register, date register for the purpose of this rule and shall ensure that necessary entries are made in the register immediately as soon as the copy of the order and the material are forwarded to the Adjudicating Authority.

4. **Acknowledgement of receipt of the copy of the order of retention of seized property and the material by the Adjudicating Authority.** — (1) On receipt of the outer sealed envelope along with Form-II, the Adjudicating Authority or in his absence, the designated officer of the office of Adjudicating Authority shall forward Form-II duly filled in, signed and his name legibly written below his signature. The seal of the office of the Adjudicating Authority shall be affixed before forwarding the Form-II to the authorised officer as a token of receipt of the sealed envelope.
- (2) The Adjudicating Authority shall, on opening of the sealed envelope, forward Form-I duly filled in, signed and his name legibly written below his signature. The seal of the office of the Adjudicating Authority shall be affixed before forwarding the Form-I to the authorised officer as a token of receipt of the copy of the order of retention of seized property and the material.
- (3) The Adjudicating Authority shall maintain registers and other records such as acknowledgement slip register, call register and register showing details of receipt of the copy of the order of retention along with the material for the purposes of this rule and shall ensure that necessary entries are made in the registers immediately on receipt of such order and the material.
5. **Period of keeping the copy of the order of retention and the material by the Adjudicating Authority.** — The Adjudicating Authority shall keep the copy of the order of retention of seized property and the material for a period of ten years or, before the expiry of the said period of ten years —
- (i) any proceedings under section 6 of the Act have been commenced, until the disposal of such proceedings, or
 - (ii) where an appeal has been preferred to the Appellate Tribunal under section 25 of the Act, until the disposal of such appeal by the Appellate Tribunal, or
 - (iii) where an appeal has been filed in the High Court under section 42 of the Act, until the disposal of such appeal by the High Court,
- whichever is later.
6. **Interpretation.** — If any question arises relating to the interpretation of these rules, the matter shall be referred to the Central Government and the decision of the Central Government shall be final.

FORM-II

[See sub-rule (2) of rule 3]

ACKNOWLEDGEMENT SLIP

Serial Number

Received the copy of the order of retention of seized property and the material bearing Number dated

from on at

[the designation of the authorized officer]

[date]

[time]

[Signature of the Adjudicating Authority]

Date :

[Name of the Adjudicating Authority]

[Office seal]

To

[the designation of the authorized officer]

Address _____

FORM-III

[See sub-rule (2) of rule 3]

ACKNOWLEDGEMENT SLIP

Serial Number

Received a sealed envelope bearing number dated.....from on

[the designation of the authorized officer] [date]

at

[time]

Signature of the Adjudicating Authority/designated officer of the office of Adjudicating Authority.

Name of the Adjudicating Authority/designated officer of the office of Adjudicating Authority.

[Office seal]

To

[the designation of the authorized officer]

Address _____

संक्षेप

नवंबर, 2005

सं. 44(अ).—केंद्रीय सरकार धन सौजन्य विचारण अधिनियम, 2002 (2002 का 15) की धारा 22 की व्यवस्था (2) के खंड (ब) में साथ प्रविष्ट व्यवस्था (1) द्वारा प्रदात अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारत से बाहर किसी स्थान से अधिप्राप्तित अर्थसंबंधों की प्राप्ति की रीति के लिए निम्नलिखित विधम बनाती है, अर्थात् :-

1. संक्षिप्त नाम और शारंग.-

- (1) इन विधमों का संक्षिप्त नाम धन सौजन्य विचारण (भारत से बाहर किसी स्थान से अधिप्राप्तित अर्थसंबंधों की प्राप्ति की रीति) विधम, 2005 है।
- (2) ये व्यवस्था में उल्लेख की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं

- (1) इन विधमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,
 - (क) "अधिनियम" से धन सौजन्य विचारण अधिनियम, 2002 (2002 का 15) अभिप्रेत है ;
 - (ख) "समितंत्र" से धन से बाहर किसी स्थान से किसी प्रत्येक में प्राप्त और इन विधमों में उक्त विनिश्चित रीति से अधिप्राप्तित आसितंत्र अभिप्रेत है ;
 - (ग) "प्राप्त" से अधिनियम की कोड़े पार अभिप्रेत है।
- (2) ऐसे अन्य सभी शब्दों और पदों के जो इन विधमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं, किंतु अधिनियम में परिभाषित हैं, उक्त संक्षेप की अर्थों के समान अर्थों में प्रयुक्त होंगे।

3. भारत से बाहर किसी स्थान से प्राप्त असितंत्रों को अधिप्राप्तित करने की रीति

- (1) अधिनियम की धारा 22 की व्यवस्था (2) के प्रयोगों के लिए, भारत से बाहर किसी स्थान से प्राप्त किसी अर्थसंबंध अधिप्राप्तित किया गया उक्त व्यवस्था यदि ऐसा असितंत्र -
 - (क) अधिनियम के अधीन किसी अपराध से उक्तित नूतन से आगत-धन का मामलों के उन्वेक्षण के लिए किसी देश की सरकार के साथ केंद्रीय सरकार द्वारा किए गए किसी गठन न सति के अधीन किसी पदाभितंत्र प्राप्ति की से प्राप्त हुआ है -
 - (ख) जो प्राप्त ऐसे अधिप्राप्त पर लः है पर, कभी हुई उक्त मस पर का उक्तित गुठरान और उक्तितर लिए जाने के लिए उत्तरदाित है, किसी ऐसे व्यक्ति

से जो किसी नोडली संबन्धी कार्रवाई करने के लिए राजगोपक और कॉमलोग आफिशिय (सफ़्त और भीख) अधिनियम, 1948 (1948 का 41) की धारा 3 द्वारा प्राधिकृत है, अधिनियम की धारा 22 की व्यवस्था (2) के फ़ायदे के लिए सम्यक रूप से अविजगृहीत समझा जाएगा।

4. निर्वाचन

यदि इन नियमों के निर्वाचन के संबंध में कोई प्रश्न उत्पन्न हो तो गणराज्य केन्द्रीय सरकार को निर्दिष्ट किया जाएगा और केन्द्रीय सरकार का विनिश्चय अंतिम होगा।

[अधिनियम सं. 13/2005-एच. सं. 6/2005-एच.-केंद्र.]

नये दिल्ली, संसद सचिवालय

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st July, 2005

G.O.M. 13/2005-CH. S. 6/2005-CH.-CENTRAL.— in exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with clause (g) of sub-section (2) of Section 73 of the Prevention of Money-laundering Act, 2002 (15 of 2002), the Central Government hereby makes the following rules for the manner of receiving the records authenticated outside India, namely —

1. **Short title and commencement.** — (1) These rules may be called the Prevention of Money-laundering (Manner of Receiving the Records authenticated Outside India) Rules, 2005.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. **Definitions.** — (1) In these rules, unless the context otherwise requires, —
 - (a) "Act" means the Prevention of Money-laundering Act, 2002 (15 of 2002);
 - (b) "record" means the record in any form received from any place outside India and authenticated in the manner as specified in these rules;
 - (c) "section" means a section of the Act.

(2) All other words and expressions used and not defined in these rules but defined in the Act, shall have the meaning respectively assigned to them in the Act.
3. **Manner of authentication of records received from outside India.** —
 - (1) For the purposes of sub-section (2) of section 22 of the Act, any record received from the place outside India shall be deemed to be authenticated if such record is received, —

(ख) "रजिस्ट्रार" से अर्जित अधिकारण का रजिस्ट्रार अभिप्रेत है ;

(ग) "घार" से अधिनियम की घार अभिप्रेत है ।

(2) ऐसे अन्य सभी शब्दों और शब्दों का जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, उन्हीं अर्थ होगा जो अधिनियम में लम्का है ।

9. अपील का महत्व— (1) अधिनियम की घार 28 के अधीन, यथास्थिति, न्याय निर्णायक प्राधिकारी या निदेशक के विरुद्ध अपील अधिकारण के लक्ष्य की गई प्रत्येक अपील इन नियमों से सौलन प्रकृत में होगी और उचित घार प्रतियों में लेनी और उसके साथ उस आदेश की घार प्रतियाँ भी होंगी जिसके विरुद्ध अपील की गई है ।

(2) फाइल के लक्ष्य समक, प्रत्येक अपील के साथ नीचे सारणी में की गई फीस की रकम, रजिस्ट्रार अपील अधिकारण, नई दिल्ली के एक में संश्लेष डिमांड ड्राफ्ट के प्रकृत में होगी ।

सारणी

क्रमांक	अधिनियम लुमाने की रकम	संश्लेष फीस की रकम
1.	जहाँ अधिनियम की घार 13 की लक्ष्यता (2) के अधीन अधिनियम लुमाने की रकम 10,000 रु है ।	1,000 रु
2.	जहाँ अधिनियम की घार 13 की लक्ष्यता (2) के अधीन अधिनियम लुमाने की रकम 10,000 रु से अधिक और 50,000 रु तक है ।	2,500 रु
3.	जहाँ अधिनियम की घार 13 की लक्ष्यता (2) के अधीन अधिनियम लुमाने की रकम 50,000 रु से अधिक और 1 लाख रु तक है ।	5,000 रु
किसी संघर्ष की कुर्की या अतिगुह्य संघर्ष या अधिलेख के प्रतिघारण के विरुद्ध		
4.	जहाँ अपील अधिनियम की घार 8 की लक्ष्यता (3) या लुमाने (2) के अधीन लक्ष्य निर्णायक 9 विधायी द्वारा दिए गए लक्ष्य के विरुद्ध है ।	10,000 रु

(3) अपील में, उन आदेश जिसके विरुद्ध अपील की गई है, पर उन्हीं के लक्ष्यता का लक्ष्यता रु है और भिल 2 बंधों के अधीन लुमाने किया जाएगा और ऐसे लक्ष्यता के लक्ष्यता रु से संश्लेषित किया जाएगा और उन्हीं का घार, जिस पर उन्हीं लक्ष्यता की लक्ष्यता के लक्ष्यता से अन्य प्रकृत की लक्ष्यता की लक्ष्यता

प्रश्नपत्र

[विभाग 3 के अतिरिक्त (1) के लिए]

.....

(यहाँ अपनी जगहों का नाम और पते का उल्लेख करें)

संज्ञा में

रिश्तदार

अपील अधिकारण

(पदों)

गहीद्वय,

उत्तर भागित अशैलार्थी, उन शोचन नियंत्रण अधिनियम, 2009 (2009 का 15) की धारा 26 के अधीन चयन अधिनियम के अधीन निर्धारण या चयननिर्णयिका प्रक्रियाओं (जो लागू हैं, प्रथम प्रावधानों द्वारा दिए गए अधिनियम संख्या..... द शीर्षक.....) के निरूद्ध विनियमित, जहाँ और जगहों पर अपील करना करना है

तथ्य

(यहाँ अपने तथ्यों को संक्षेप रूप में उल्लेख करें। चयननिर्णयिका प्रा. प्रो. या निदेशक (जो लागू हैं) को उनके कार्यों द्वारा दिए गए अधिनियम की धारा या अन्य सुचिन्ता कक्षाओं, यदि कोई हो, की धारा संज्ञान करें)

आधार

(यहाँ उन जगहों का उल्लेख करें जिन पर अपील की गई है) :

प्रार्थना

जो या अन्य कथित किया गया है, उसे न्याय में रखते हुए आपोतार्थी निम्नलिखित अनुरोध की प्रार्थना करता है :-

प्राहा गया अनुरोध

(यहाँ गया अनुरोध विनिश्चित करें)

सौजन्य

एक उनीला के लिए इन नियमों के नियम 3 के उपनिष्पन्न (2) में दी गई शर्तों में क्याद्वितीय संशोधन
 कोषा विरुद्ध अपील अतिक्रमण नहीं दिल्ली को डिग्रीड सफ्ट के रूप में शीघ्र
 नयातारीख.....द्वारा निम्नलिखित कर बी गई है

(सर्वोच्च को इलाका)

(सर्वोच्च का नाम)

यह केनों को सर्वोच्च :

स्थान :

(उनीला के इलाका)

तारीख :

(उनीला के नाम)

[संशोधन सं. ५२००३-त. सं. ६२००५-वै.स.]

नरेश सिंह, संयुक्त सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 16th Feb 2005

G.O. 4909.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) and clause (i) and clause (x) of sub-section (2) of section 73 read with section 35 of the Prevention of Money-laundering Act, 2002 (15 of 2002), the Central Government hereby makes the following rules for the purpose of appeals under the said Act namely:-

1. **Short title and commencement.**— These rules may be called the Prevention of Money-laundering (Appeal) Rules, 2005.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. **Definitions.**— (1) In these rules unless the context otherwise requires, —
 - (a) "Act" means the Prevention of Money-laundering Act, 2002 (15 of 2002);

- (b) "Adjudicating Authority" means an Adjudicating Authority appointed under sub-section (1) of section 6 of the Act;
- (c) "Appellate Tribunal" means the Appellate Tribunal established under section 25 of the Act;
- (d) "Appellant" means an aggrieved person who prefers an appeal before the Appellate Tribunal;
- (e) "Director" means the Director appointed under sub-section (1) of section 49 of the Act;
- (f) "Form" means the Form appended to these rules;
- (g) "order" means an order passed by the Director under sub-section (2) of section 13 of the Act or by the Adjudicating Authority under section 8 of the Act as the case may be;
- (h) "Registrar" means the Registrar of the Appellate Tribunal;
- (i) "section" means a section of the Act.

[2] All other words and expressions used and not defined in these rules but defined in the Act, shall have the meaning respectively assigned to them in the Act.

2. Form of Appeal. — (1) Every appeal preferred before the Appellate Tribunal against the order of the Adjudicating Authority or the Director, as the case may be, under section 26 of the Act shall be in the Form as appended to these rules and the appeal shall be in quadruplicate and accompanied by four copies of the order appealed against.
- (2) At the time of filing every appeal shall be accompanied with an amount of fee as given in the Table below, in the form of demand draft payable in favour of the Registrar, Appellate Tribunal, New Delhi

TABLE

Sl.No.	Amount of fine imposed	Amount of fee payable
1.	Where the amount of fine imposed under sub-section (2) of section 13 of the Act is Rs. 10,000/-	Rs. 1,000/-
2.	Where the amount of fine imposed under sub-section (2) of section 13 of the Act is more than Rs. 10,000/- and upto Rs. 50,000/-	Rs. 2,500/-
3.	Where the amount of fine imposed under sub-section (2) of section 13 of the Act is more than Rs. 50,000/- and upto Rs. 1 lakh	Rs. 5,000/-

Appeal against attachment of any property or retention of the seized property or record.	
4	Where appeal is against the orders made by the Adjudicating Authority under sub-section (a) or sub-section (b) of section 4 of the Act.
	Rs. 10,000/-

- (3) The appellant shall set forth concisely and under distinct heads the grounds of objection to the order appealed against, and such grounds shall be numbered consecutively; and shall specify the address of service at which notice or other processes of the Appellate Tribunal may be served on the appellant and the date on which the order appealed against was served on the appellant.
- (4) Where the appeal is preferred after the expiry of the period of forty-five days referred to in sub-section (3) of section 29 of the Act, it shall be accompanied by a petition, in quadruplicate, duly verified and supported by the documents, if any, relied upon by the appellant showing cause as to how the appellant has been prevented from preferring the appeal within the period of forty-five days.
- (5) Any notice required to be served on the appellant shall be served on him in the manner prescribed in rule 5 of these rules at the address of service specified in the appeal.

4. **Order of the Appellate Tribunal.**— The order of the Appellate Tribunal shall be in writing and shall state the reasons for the decision.

5. **Service of notice, requisitions or orders.**— A notice, requisition or an order issued under these rules shall be served on any person in the following manner:

- (a) by delivering or tendering the notice or requisition or order to that person or the person duly authorized by him; or
- (b) by sending the notice or requisition or order to him by registered post with acknowledgment, sent to the address of his place or residence or his last known place of residence or the place where he carries on, or last carried on, business or personally works or has worked for gain; or
- (c) by affixing it on the outer door or some other conspicuous part of the premises in which the person resides or is known to have last resided or carried on business or personally works or has worked for gain and that written report thereof should be witnessed by two persons; or
- (d) if the notice or requisition or order cannot be served under clause (a) or clause (b) or clause (c) then by publishing in a leading newspaper (both in vernacular and in English having wide

circulation in the area or jurisdiction in which the person resides or is known to have last resided or carried on business or personally worked or last worked for gain.

- 6. **Interpretation.** – If any question arises relating to the interpretation of these rules, the matter shall be referred to the Central Government and the decision of the Central Government shall be final.

F O R M

[See sub-rule (1) of rule 3]

From _____
(Mention name and address of the appellant here)

To
The Registrar,
Appellate Tribunal
(Address)

Sir,

The above-named appellant, begs to prefer this appeal under section 26 of the Prevention of Money-laundering Act, 2002 against order Number _____ dated _____, passed by the Director or the Adjudicating Authority (प्रधान अथवा अपील अधिकारी) under the said Act on the following facts and grounds.

FACTS

(Mention briefly the facts of the case here. Enclose copy of the order passed by the Director or Adjudicating Authority (give out witness's depositions) and copies of other relevant documents, if any.)

GROUND

(Mention here the grounds on which appeal is preferred).

PRAYER

In the light of what is stated above, the appellant prays for the following relief -

RELIEF SOUGHT

(Specify the relief sought)

DECLARATION

The fee payable for the appeal as shown in Table given in sub-rule (2) of rule 3 of these rules has been deposited in the form of demand draft with the Registrar, Appellate Tribunal, New Delhi vide receipt number _____ dated _____

(Signature of the Appellant)

(Name of the Appellant)

List of documents

Place :

Date :

(Signature of the Appellant)

[Notification No. 14603-F.No. 63304-22.]

ISSUE DATES, 3.5.22.